रुड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 30 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) बुधवार, 26 फरवरी, 2025 मूल्य ₹ 3.00

जनसंख्या असंतुलन से चिंतित चीनी सरकार

लड़कियां नहीं तीन करोड़ पुरुष अविवाहित

ईएमएस

बीजिंग। चीन में हाल ही में संपन्न हुई जनगणना से खुलासा हुआ है कि देश में करीब तीन करोड़ पुरुष अविवाहित हैं। यह संख्या कई देशों की कुल आबादी से कही ज्यादा है। इस असंतुलन का प्रमुख कारण दशकों से समाज में लड़कों को प्राथमिकता देना है। हालांकि, हाल के वर्षों में लड़कियों के जन्म में मामूली वृद्धि हुई है, फिर भी लिंगानुपात में भारी अंतर बना हुआ है।

सातवीं जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, बीते वर्ष चीन में 1.2 करोड़ शिशुओं का जन्म हुआ, इसमें प्रति 100 लड़कियों पर 111.3 लड़कों का अनुपात दर्ज हुआ। वर्ष 2010 में यह अनुपात 118.1 था, जिससे मामूली सुधार का संकेत मिलता है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुधार भी विवाह योग्य पुरुषों की बढ़ती संख्या की समस्या को हल करने में नाकाफी है। इस बारे में जानकार ने बताया कि चीन में आम तौर पर पुरुष अपने से कम उम्र की महिलाओं से विवाह करते हैं। लेकिन जनसंख्या वृद्धि की मौजूदा प्रवृत्ति को देखते हुए, अधिक उम्र के कुंवारे पुरुषों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे विवाह योग्य महिलाओं की संख्या में भारी कमी दर्ज हुई है, जो भविष्य में और भी जटिल सामाजिक चुनौतियों को जन्म दे सकती है। जानकार ने चेतावनी दी है कि आने वाले वर्षों में विवाह योग्य लड़कों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ विवाह योग्य लड़कियों की कमी एक गंभीर समस्या बन सकती है।

चीन में लिंगानुपात का यह असंतुलन भविष्य में विवाह, परिवार संरचना और समाज के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत बदलाव और समाज में लिंग समानता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, ताकि आने वाले वर्षों में यह अंतर और न बढ़े।

ईरान से तेल व्यापार पर अमेरिका ने चार भारतीय कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

ईएमएस

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली अमेरिकी सरकार ने पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ी कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। जिन कंपनियों पर अमेरिका की ओर से यह प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन सभी का जुड़ाव ईरान के तेल उद्योग से है। प्रतिबंधित की गई इन कंपनियों में कुछ भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिका की ओर से यह कदम ईरान पर दवाब बनाने के लिए लगाए हैं।

अमेरिका की ओर से यह फैसला अवैध शिपिंग नेटवर्क को बाधित करने क लिए उठाया गया है। जो एशिया में खरीदारों को ईरानी तेल बेचने के लिए काम करता है। यह नेटवर्क सैकड़ों

> अमेरिका की ओर से यह फैसला अवैध शिपिंग नेटवर्क को बाधित करने क लिए उठाया गया है। जो एशिया में खरीदारों को ईरानी तेल बेचने के लिए काम करता है। यह नेटवर्क सैकड़ों मिलियन डॉलर के कच्चे तेल के कई बैरल को अवैध शिपिंग के जरिए बेचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिका का मानना है कि, तेल राजस्व के जरिए ईरान के आतंकवाद को आर्थिक रूप से मदद दे रहा है।

मिलियन डॉलर के कच्चे तेल के कई बैरल को अवैध शिपिंग के जरिए बेचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिका का मानना है कि, तेल राजस्व के जरिए ईरान के आतंकवाद को आर्थिक रूप से मदद दे रहा है। उसके इस कदम से ईरान की आर्थिक गतिविधियों पर नकेल कसेगा और आतंकवाद वित्तपोषण को रोक पाएगा।

सोमवार को अमेरिका ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से कथित जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जिनमें से चार भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित भारतीय कंपनियां ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन एलएलपी, कॉसमॉस लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी हैं।

बयान में कहा गया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों को चिह्नित किया है और उनके खिलाफ प्रतिबंध लगाया जा रहा है। विदेश विभाग ने, वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के साथ मिलकर, 22 व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाए तथा ईरान के तेल उद्योग से उनके जुड़ाव के कारण विभिन्न क्षेत्रों में उनके 13 जहाजों को प्रतिबंधित संपत्ति के रूप में चिह्नित किया है।

खटीमा को 337 लाख के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को था। इंटर कॉलेज खटीमा में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 337.17 लाख के तीन कार्यों का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास की गई योजनाओं में ६ 183.77 लाख कि लागत से ग्राम कल्याणपुर, रुद्रपुर के प्रशासनिक क्षेत्र में लगभग 1.5 किमी में सड़क के दोनों ओर पाथ-वे निर्माण कार्य। ६ 67.50 लाख की लागत से ग्राम कल्याणपुर, रुद्रपुर के प्रशासनिक क्षेत्र में लगभग 1.5 किमी स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य एवं ६84.90 लाख की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर में पार्किंग निर्माण कार्य का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि खटीमा मेरी कर्मभूमि रही है और यहां के लोग मेरे परिवार के ही सदस्य हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से राज्य सरकार अपने ष्विकल्प रहित संकल्पष के साथ उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जहां एक ओर शहरों से लेकर सुदूर सीमावर्ती पर्वतीय गांवों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से दुग्ध उत्पादन, मधु उत्पादन, कृषि, बागवानी, सुगंधित पौधों एवं फूलों की खेती आदि को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। राज्य के होम स्टे योजना, लखपति दीदी योजना और सौर स्वरोजगार योजना जैसी अनेकों योजनाएं लागू कर स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा में वो कोई भाषण देने नहीं अपितु सभी परिवारजनों के बीच अपने हृदय की बात रखने आए हैं। उन्होंने कहा वर्ष 2012 में खटीमा के लोगों ने ही उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनकर पहली बार विधायक के रूप में विधानसभा भेजा था, तब से लेकर अब तक उन्होंने हमेशा खटीमा के विकास के बारे में सोचा है। उन्होंने कहा वो खटीमा के लोगों को कभी भूलेंगे नहीं, क्योंकि खटीमा के लोगों के उनके प्रति जो आपसी प्रेम और अपनत्व की भावना है, वो कभी बदल नहीं सकती है। उन्होंने कहा वो सदैव खटीमा के चहुंमुखी विकास और जन-जन के कल्याण हेतु प्रयासरत रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खटीमा में नए बस स्टैंड का निर्माण, नई सड़कों और पुलों का निर्माण, 100 बेड के अस्पताल के नए परिसर का संचालन, जनजातीय समुदाय के बच्चों के लिए आधुनिक एकलव्य विद्यालय का निर्माण जैसे अनेको कार्यों से क्षेत्र को को आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अपनी यादों को साझा करते हुए कहा उन्हें अपनी युवावस्था में वो दिन याद है जब वो इसी खटीमा की धरती से पढ़ने के लिए लखनऊ जा रहे थे। उन्होंने कहा खटीमा में शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित नए-नए कार्य भी प्रारंभ हुए हैं। आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों हेतु नए भवनों का निर्माण करने के साथ राजकीय महाविद्यालय खटीमा में एमकॉम और एमएससी की कक्षाएं भी प्रारंभ करवाई गई हैं।

राज्य सरकार ने 16 करोड़ रुपए की लागत से चकरपुर में खेल स्टेडियम का निर्माण किया है। जहां हाल ही में 38वें राष्ट्रीय खेलों की कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। उन्होंने कहा अब स्टेडियम में हमारे क्षेत्र के युवाओं को अभ्यास करने हेतु उच्च स्तरीय सुविधाएं मिलेगी एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी हॉस्टल में रहने की सुविधा भी मिलेगी।

1984 सिख दंगा मामला

पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा

आरएनएस

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट में 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार की एक घटना के लिए कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

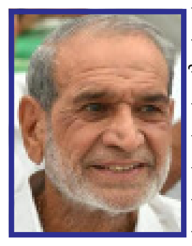

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन को दंगों के दौरान 2 सिखों को जिंदा जलाने वाली भीड़ का नेतृत्व करने का दोषी मानते हुए 12 फरवरी को दोषी घोषित किया था।

बता दें, दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। उम्रकैद के अलावा सज्जन कुमार को दंगा करने के लिए 2 साल, घातक हथियारों के साथ दंगा करने के लिए 3 साल और जुर्माना, मृत्यु या गंभीर नुकसान पहुंचाने के इरादे से गैर-इरादतन हत्या का प्रयास करने के लिए 7 साल की सजा सुनाई गई है।

सिख नेता गुरलाद सिंह का कहना है कि उन्हें मौत की सजा से कुछ कम स्वीकार नहीं है, वह कोर्ट के फैसले खुश नहीं हैं, सरकार से अपील करेंगे कि वह हाई कोर्ट जाए।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कोर्ट से मौत की सजा की मांग की थी और लिखित में दलील थी कि यह मामला निर्भया कांड से भी घातक है क्योंकि उस कांड में सिर्फ एक लडकी को निशाना बनाया गया, जबकि इसमें पूरे समुदाय को जानबूझकर निशाना बनाया गया था। पक्ष ने कहा कि हत्याएं क्रूर और शैतानी तरीके से की गई थीं, जिसने समाज को झकझोर दिया था। दंगों के कारण सिखों का पलायन हुआ था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भडकी सिखों के खिलाफ हिंसा में 1 नवंबर, 1984 को सरस्वती विहार इलाके में बड़ा कांड हुआ था। यहां भीड़ ने जसवंत सिंह और तरुणदीप सिंह को जिंदा जला दिया था। आरोप था कि हिंसक भीड़ का नेतृत्व सज्जन कुमार ने किया था। मामला पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ।

सीएम रेखा ने विधानसभा में पेश की कैग रिपोर्ट

दो हजार करोड़ का घाटा, लाइसेंस देने में अनियमितता

आरएनएस

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा सत्र की शुरुआत के साथ ही नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की दिल्ली में शराब की आपूर्ति एवं विनियमन पर निष्पादन लेखापरीक्षा रिपोर्ट पेश की। इसमें अब समाप्त हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, आप सरकार द्वारा लाई गई शराब नीति से सरकार को 2,002 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

कैग रिपोर्ट में 2017-18 से 2021-22 के बीच शराब के विनियमन और सप्लाई की जांच की गई है। इसमें 2021-22 की आबकारी नीति की भी समीक्षा भी की गई है। हालांकि, इस शराब नीति को सितंबर 2022 में वापस ले लिया गया था। कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब नीति से आम आदमी को नुकसान झेलना पड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं को रिश्वत मिली।

रिपोर्ट के अनुसार, आप सरकार की नई शराब नीति से सरकार को लगभग 2,002 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें जोनल लाइसेंस में छूट देने से लगभग 940 करोड़, रिटेंडर प्रक्रिया से 890 करोड़ और कोविड-19 प्रतिबंधों में शराब कारोबारियों को लाइसेंस शुल्क में छूट देने से 144 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, शराब लाइसेंस में प्रतिभूति जमा राशि सही से एकत्र न करने के कारण सरकार को कुल 27 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान झेलना पड़ा है।

इसी तरह, दिल्ली एक्साइज नियम, 2010 के नियम 35 को सही से लागू नहीं किया गया, शराब निर्माण और वितरण दोनों में दिलचस्पी रखने वाले कारोबरियों को लाइसेंस देकर एक ही तरह के लोगों को फायदा पहुंचाया गया और शराब बिक्री का कमीशन 5 से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, नई नीति में एक व्यक्ति को 2 दर्जन से अधिक लाइसेंस दिए गए, जबकि पूर्व में एक ही लाइसेंस ले सकता था।

पहले दिल्ली में 60 फीसदी शराब बिक्री 4 सरकारी कॉर्पोरेशन से होती थी, लेकिन नई शराब नीति में किसी भी निजी कंपनी रिटेल लाइसेंस देने का प्रावधान कर अतिरिक्त लाभ कमाया गया।

भारत-नेपाल के बीच हवाई सेवाओं का विस्तार जरूरी : महाराज

आरएनएस

देहरादून। नेपाली यात्रियों के लिए भारत में प्रवेश करने की प्रक्रिया को यदि सरल बना दिया जाये तो इससे दोनों देशों के बीच सदभाव बढ़ने के साथ-साथ पर्यटन में वृद्धि हो सकती है। उक्त बात प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने नेपाल के महेंद्रनगर में ष16वें सुदूर पश्चिम प्रदेश स्तरीय औद्योगिक व्यापार मेला तथा कंचनपुर पर्यटन महोत्सवष में प्रतिभाग के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर और भारत के केदारनाथ धाम, वाराणसी, हरिद्वार, और देहरादून जैसे धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले धार्मिक पर्यटन सर्किट की स्थापना से दोनों देशों के बीच धार्मिक पर्यटन में भी वृद्धि हो सकती है।

महाराज ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश में कृषि और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा हवाई सेवाओं की स्थापना से दोनों देशों के बीच यात्रा में काफी सुविधा हो सकती होगी। भारत और नेपाल के बीच पर्यटन आर्थिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए जरूरी है कि नेपाली यात्रियों के लिए भारत में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया जाए।

महेंद्रनगर में ष16वें सुदूर पश्चिम प्रदेश स्तरीय औद्योगिक व्यापार मेला तथा कंचनपुर पर्यटन महोत्सवष नेपाल की विभिन्न विभागों के स्टॉल के साथ-साथ उत्तराखंड पर्यटन का स्टाल भी विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

इस मौके पर नेपाल के उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्री दामोदर भंडारी, पूर्व मुख्यमंत्री राजेंद्र सिंह रावल, पूर्व उद्योग तथा वाणिज्य मंत्री अब्दुल खान, नेपाल प्रदेश सरकार के मंत्री बहादुर सिंह थापा, हीरा सार्की, कृषि एवं सहकारिता मंत्री वीर बहादुर थापा, पूर्व मंत्री ओम विक्रम, उद्योग वाणिज्य संघ नेपाल के अध्यक्ष पीतांबर जोशी, दुर्गा दत्त वोहरा आदि उपस्थित थे।

आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति : राज्यपाल

संवाद सहयोगी

देहरादून। उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के ऋषिकुल परिसर, हरिद्वार में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में उत्तराखण्ड के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। दीक्षांत समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए जिनमें अधिकांश संख्या बालिका छात्रों की थी। राज्यपाल ने इस उपलब्धि को नारी सशक्तीकरण का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह दर्शाता है कि बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आयुर्वेद के क्षेत्र में नवाचार एवं अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद में विभिन्न प्राकृतिक औषधियों और उपचार विधियों के माध्यम से संक्रमण से लड़ने की शक्ति होती है जो बिना किसी हानिकारक प्रभाव के रोग निरोगी गुण प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं लेकिन यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम आयुर्वेद के गुणों का अधिक से अधिक प्रचार एवं प्रसार करें।

राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड, ज्ञान और आध्यात्मिकता का केंद्र होने के साथ-साथ चेतन के उत्थान की समृद्ध परंपरा का वाहक है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद दुनिया की प्राचीनतम चिकित्सा प्रणालियों में से एक होने के साथ-साथ विश्व को भारत की एक अमूल्य देन है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जिसमें मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखते हुए समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन पर बल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता बढ़ने के साथ-साथ हमने इस पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करना कम कर दिया था लेकिन अब जागरूकता बढ़ने और आयुर्वेद के लाभ की सटीक जानकारी मिलने से हमारी यह प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर जन-जन में लोकप्रिय हो रही है।

कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है ‘सबका साथ-सबका विकास’ नारा : खड़गे

आरएनएस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों की छात्रवृत्ति के लाभार्थियों की संख्या में कथित गिरावट को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि सबका साथ, सबका विकास का नारा कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है.

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक चार्ट साझा किया जिसमें उल्लेख है कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति के लाभार्थियों में भारी गिरावट आई है. खडगे ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है.

उन्होंने दावा किया कि ये शर्मनाक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि सभी वजीफों में मोदी सरकार ने लाभार्थियों की संख्या में भारी कटौती तो की है, साथ ही औसतन साल-दर-साल 25 प्रतिशत फंड भी कम खर्च किया है. खडगे ने सवाल किया कि जब तक देश के कमजोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि आपका सबका साथ, सबका विकास का नारा, रोजाना कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है.

इससे पहले, राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि दोनों संविधान के खिलाफ हैं. कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रही है. एक तरफ कांग्रेस पार्टी संविधान में विश्वास करती है और इसके लिए लड़ रही है.

सभी को करना चाहिए समाज कल्याण में अपना सहयोग

हरिद्वार। श्री गिरवरनाथ जनकल्याण धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष समाजसेवी कमल खड़का ने कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए ट्रस्ट की और से कई जनकल्याणकारी प्रकल्प चलाए जा रहे हैं। जिसमें निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग, आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की सहायता, बीमार व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना, गरीब असहाय व्यक्तियों को भोजन उपलब्ध कराना आदि प्रमुख हैं। समाज के सहयोग से चलाए जा रहे सहायता प्रकल्पों के माध्यम से समय-समय पर चिकित्सा शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाता है। सभी को समाज कल्याण में सहयोग करना चाहिए। मिलजुल कर ही समाज के जरूरतमंद वर्ग की मदद की जा सकती है। कमल खड़का ने कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर ट्रस्ट की और से घाटों पर भोजन प्रसाद वितरित किया जाएगा। भगवान शिव को समर्पित महाशिवरात्रि सनातन धर्म का प्रमुख त्यौहार है। सभी को महाशिवरात्रि का पर्व सादगी एवं सात्विकता से मनाना चाहिए। भगवान शिव भक्तों की सूक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देते हैं।

वहीं मेला अस्पताल में सीएमओ कार्यालय से टीम के नहीं आने से दिव्यांग कैंप नहीं लग सका। इस वजह से सौ से अधिक दिव्यांगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। सीएमएस का कहना है कि कैंप लक्सर में लगाने की सूचना मिली थी। इसमें मेला अस्पताल से भी दो विशेषज्ञ चिकित्सक गए हैं।

पाकिस्तान के सिंध से 58 हिंदू श्रद्धालुओं का जत्था पहुंचा हरिद्वार

संत शदाणी देवस्थानम के मुख्य सेवादार अमरलाल ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पाकिस्तान के सिंध प्रांत से 58 हिंदू श्रद्धालुओं का जत्था मंगलवार को हरिद्वार पहुंचा। पाकिस्तान से आए हिंदुओं के उत्तरी हरिद्वार स्थित संत शदाणी देवस्थानम पहुंचने पर संत शदाणी देवस्थानम के मुख्य सेवादार अमरलाल शदाणी ने पुष्प वर्षा और माल्यार्पण कर स्वागत किया। अमर लाल शदाणी ने बताया कि श्रद्धालु सतगुरु संत राजाराम साहिब के मूर्ति अनावरण समारोह और महाशिवरात्रि जागरण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत आए हैं। सभी श्रद्धालु इसके अलावा भी कई धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होंगे। अमरलाल शदाणी ने बताया कि पाकिस्तानी हिंदू श्रद्धालु शदाणी दरबार के नवम पीठाधीश्वर संत डा.युधिष्ठिर लाल के सानिध्य में प्रयागराज महाकुंभ में गंगा स्नान

करने के बाद हरिद्वार पहुंचे हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सभी श्रद्धालु बुधवार सुबह 8 बजे हरकी पैड़ी पर अस्थि प्रवाह कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संत शदाणी गंगा घाट पर पिंडदान, हवन यज्ञ और गंगा स्नान करेंगे। धार्मिक क्रियाओं के उपरांत श्रद्धालु पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण भी करेंगे। इसके बाद शाम को श्रद्धालु नवम पीठाधीश्वर संत डा.युधिष्ठिर लाल महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। यात्रा पूर्ण करने के उपरांत जत्था हरिद्वार रेलवे स्टेशन से अमृतसर के लिए रवाना हो जाएगा। पाकिस्तान से हरिद्वार आए हिंदु श्रद्धालुओं ने कहा कि हरिद्वार आकर उन्हें दिव्य अनुभूति हो रही है। संत शदाणी देवस्थानम द्वारा किए गए स्वागत और सुविधाओं के लिए भी श्रद्धालुओं ने आभार व्यक्त किया। डा.मंशा राम, आकाश दोलतानी, सुनील कुमार, चेतन दास, शंकर लाल, राजा परीक्षित, सागर कुमार, भगत लाल, अशी माई, रजनी, रेखा बाई, मेहरचंद, वीजी बाई, दिया कुमारी, बलदेव, ओम प्रकाश, भावेश लाल, आर्यन मखीजा, शीला बाई, बेंकुट कुमार, अंतर्राष्ट्रीय सेवादार बाबू लाल शदाणी आदि ने कहा कि इस धार्मिक और सांस्कृतिक यात्रा से दोनों देशों के बीच आपसी सौहार्द और धार्मिक सद्भाव को भी बढ़ावा मिलेगा।

भेल हरिद्वार के नए कार्यपालक निदेशक रंजन कुमार ने संभाला कार्यभार

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। बीएचईएल हरिद्वार के नवनियुक्त महाप्रबंधक एवं प्रमुख (एचईईपी एवं सीएफएफपी) रंजन कुमार ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। पूर्व कार्यपालक निदेशक टी.एस. मुरली की सेवानिवृत्ति के बाद रंजन को यह बेहद महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इससे पूर्व वह महाप्रबंधक (ऑपरेशन्स) एचईईपी एवं महाप्रबंधक एवं प्रमुख (सीएफएफपी) के रूप में कार्यरत थे। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात संस्थान के नाम अपने सम्बोधन में रंजन कुमार ने कहा कि हरिद्वार इकाई के नेतृत्व की जिम्मेदारी, मेरे लिए बेहद सम्मान का विषय है। उन्होंने बताया कि बीएचईएल हरिद्वार की गिनती कंपनी की बड़ी एवं महत्वपूर्ण इकाइयों में की जाती है और हमें अपनी इस पहचान को बरकरार रखना है। रंजन कुमार ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से संस्थान को उन्नति के पथ पर और आगे लेकर जाएंग। उल्लेखनीय है कि रंजन कुमार ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा (रांची) से, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। वर्ष 1990 में उन्होंने बीएचईएल की तिरुचिरापल्ली इकाई से अपने करियर की शुरूआत की। प्रशिक्षण अवधि पूरी करने के बाद दो साल उन्होंने, इंजीनियरिंग तथा डिजाइनिंग के क्षेत्र में कार्य किया। वर्ष 1993 में रंजन कुमार बीएचईएल हरिद्वार की सीएफएफपी इकाई से जुड़े। रंजन कुमार के पास मेंटीनेंस सर्विसेज, सेंट्रल डिस्पैच, मैटेरियल मैनेजमेंट, प्रोडक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, प्लानिंग एवं डेवलपमेंट आदि अनेक क्षेत्रों में काम करने का गहन एवं व्यापक अनुभव है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद संवाद किया तथा विभिन्न मुद्दों पर उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

रात दस बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाने पर कार्रवाई के निर्देश

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। डीजे की तेज आवाज से बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में विघ्न ना आए। इसे देखते हुए एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने सभी थाना प्रभारियों को रात दस बजे के बाद डीजे बजाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ऊंची आवाज में डीजे बजाए जाने के साथ ही बिना साइलेंसर वाले वाहनों को भी चिन्हित कर कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान रात दस बजे के बाद भी तेज आवाज में डीजे बजाए जाने की शिकायतें पुलिस को निरंतर मिल रही हैं। डीजे की तेज आवाज से बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को कोई असुविधा ना हो। इसके लिए एसपी सिटी, एसपी देहात, सभी थाना प्रभारियों को रात के समय होने वाले आयोजनों में डीजे बजाए जाने पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। रात दस बजे के बाद डीजे बजाने और निर्धारित डेसीबल का उल्लंघन किए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने ऊंची आवाज में डीजे बजाए जाने के साथ ही बिना साइलेंसर वाले वाहनों को भी चिन्हित कर कार्रवाई किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

पतंजलि विवि के वार्षिकोत्सव 'अभ्युदय' के आयोजन के लिए बैठक का आयोजन

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में 28 फरवरी से 2 मार्च तक होने वाले वार्षिकोत्सव "अभ्युदय" के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों, आयोजन समिति के सदस्यों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयोजन की संयोजिका साध्वी देवप्रिया ने कहा कि "अभ्युदय" न केवल विश्वविद्यालय का वार्षिक उत्सव है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है, जहां छात्र अपने कौशल, सृजनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति सदस्यों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और सहयोग की भावना से

कार्य करें तथा आयोजन की सभी गतिविधियों को सुचारू रूप से संपन्न कराएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के सर्वांगीण विकास का एक अभिन्न अंग भी है। इस अवसर पर पंतजलि विवि के प्रति-कुलपति प्रो.मयंक कुमार अग्रवाल ने कहा कि "अभ्युदय" के सफल आयोजन हेतु सभी व्यवस्थापकों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण संकल्प और समर्पण के साथ करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह वार्षिकोत्सव विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और परंपराओं को और सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। प्रति-कुलपति ने कहा कि इस आयोजन में सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेलकूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का समावेश किया गया है। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में आयोजन के सफल संचालन के हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर उनकी जिम्मेदारियां निर्धारित की गई।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए और कार्यक्रम की सफलता के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी से अपील की कि वे "अभ्युदय" को न केवल एक कार्यक्रम, बल्कि एक ऐतिहासिक अनुभव बनाने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।

हत्या के प्रयास के आरोपी को चाकू समेत गिरफ्तार किया

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी को थाना पथरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चाकू भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी के थाना पथरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बीते दिसंबर में मोहर्रम पुत्र सलीम निवासी इक्कड खुर्द ने उस पर और उसके भाईयों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकद्मा दर्ज कराया था। मुकद्मा दर्ज करने के बाद पथरी पुलिस एक आरोपी नावेद पुत्र सुलेमान को मुखबिर की सूचना पर इक्कड पुल से चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में एसआई विपिन कुमार, कांस्टेबल ब्रह्मदत्त जोशी

व अजीत तोमर शामिल रहे।

वहीं दूसरी ओर ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रात्रि चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घूमते देख पुलिसकर्मियों ने की उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम गुलफाम पुत्र हबीब निवासी होली चौक मोहल्ला पावधोई ज्वालापुर बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकद्मा दर्ज किया है।

महाशिवरात्रि पर्व से 24 घंटे पहले कांवड़ियों की रही जबरदस्त भीड़

धर्मनगरी बोल बम के जयकारों से गुंजायमान

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। धर्मनगरी बोल बम के जयकारों से गुंजायमान रही। महाशिवरात्रि पर्व से 24 घंटे पहले कांवड़ियों की जबरदस्त भीड़ रही। खासकर ट्रकों और ट्रैक्टर ट्राली में बड़े डीजे लगाकर आए डाक कांवड़ियों की भीड़ रही। पतंद्वीप पार्किंग और चमगादड़ टापू में कांवड़ियों के वाहन का रैला दिखाई दिया। दिनभर पुलिस हाईवे पर व्यवस्था बनाती नजर आई। हरिद्वार-नजीबाबाद हाईवे पर सबसे अधिक भीड़ रही। नमामि गंगे घाट और कोटद्वार-हरिद्वार हाईवे पर कांवड़ियों का रेला चल रहा है।

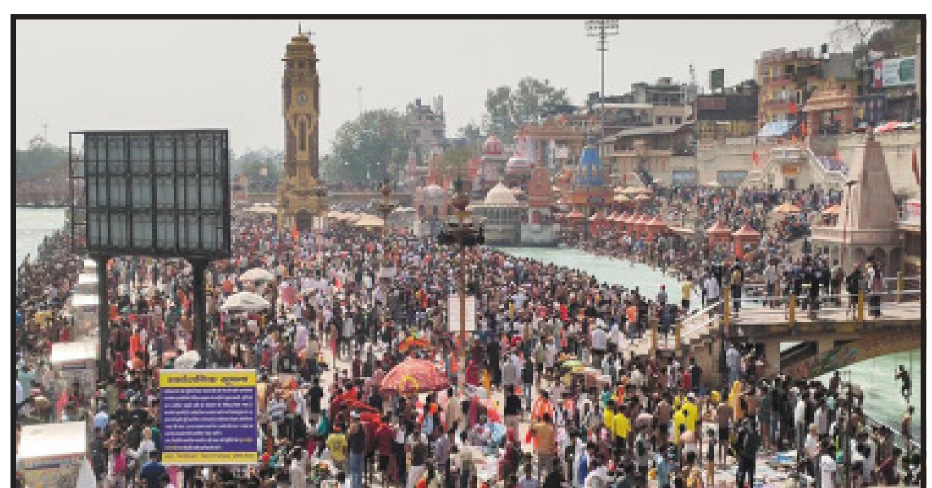

वहीं हरिद्वार के बिरला घाट के पास स्वतंत्रता सेनानियों की याद में बने पार्क का जल्द ही सौंदर्यीकरण होगा। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने बताया कि चारधाम यात्रा से पहले पार्क की रेलिंग की मरम्मत की जाएगी। नई घास बिछाने के साथ ही गड्ढों को भरकर फिर से हरा भरा किया जाएगा। साथ ही पार्क की देखरेख भी तय की जाएगी। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण ने बिरला घाट क्षेत्र में गंगा पर बने पुल के बराबर में 9.89 लाख के बजट से मई 2023 में पार्क का निर्माण कराया गया था। शहर को सुन्दर और आकर्षित बनाने के उद्देश्य से पार्क में सेल्फी पॉइंट, हरी घास लगाए गए थे।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला शातिर दबोचा

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पीडब्लयूडी में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रूपए की ठगी करने वाले शातिर को थाना कनखल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने कम्प्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, फर्जी मोहरे व दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी मुख्यमंत्री के नाम के फर्जी लेटर पेड के साथ ही नकली स्टेम्प, नकली ईमेल आईडी का इस्तेमाल ठगी के लिए कर रहा था। पुलिस आरोपी के बैंक खातों की भी जानकारी जुटा रही है। कृष्णानगर कनखल निवासी प्रतीक मदान ने 23 फरवरी को थाना कनखल पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया था कि लॉकडाउन के दौरान उनके मकान में किराये पर रह चुका हिमांशु कुमार नाम का युवक जो वर्तमान में जुर्स कंट्री में किराये के फ्लैट में रह रहा है, ने जुलाई 2024 में उसकी व उसके रिश्तेदारो की सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर लगभग 3,70.000 रूपए हड़प

लिए तथा नियुक्ति का भरोसा दिलाने के लिए लोक निर्माण विभाग चम्बा, लोक निर्माण विभाग देहरादून एवं मुख्यमंत्री के नोटपेड से समय समय फर्जी नियुक्ति पत्र देता रहा। शिकायतकर्ता ने बताया कि जानवरी में उसे पीडब्लूयडी चंबा की ईमेल आईडी से मुख्यमंत्री द्वारा जारी एक नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ। जिसमें उसे पीडब्लयूडी चम्बा टिहरी में अकाउंटेंट के पद पर नियुक्ति का आदेश था। जब उसने लोक निर्माण विभाग चंबा से जानकारी की तो नियुक्ति पत्र फर्जी पाया गया। इस पर उसने जब हिमांशु कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया तो आरोपी अपना मोबाइल नंबर स्विच ऑफ कर घर से फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल करते हुए पुलिस ने आरोपी हिमांशु कुमार पुत्र सुंदर लाल निवासी ग्राम क्वाटोली कपकोट बागेश्वर हाल निवासी जुर्स कंट्री ज्वालापुर को गुरुकुल कांगड़ी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने आरोपी की निशांदेही पर जुर्स कंट्री स्थित फ्लैट से उसका कम्प्यूटर, लेपटॉप, फर्जी नियुक्ति पत्र, चम्बा लोक निर्माण विभाग व देहरादून लोक निर्माण विभाग की फर्जी मोहरे बरामद की। थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि पोस्ट ग्रेजुएट हिमांशु वर्ष 2017 में पीएचडी करने व नौकरी की तलाश में अपने गांव से हरिद्वार आ गया था। वर्ष 2017 से 2021 तक हिमांशु पीड़ित प्रतीक मदान के कृष्णनागर स्थित घर पर किराये पर रहा। मकान मालिक व उसके परिजनों के अच्छे संबंध स्थापित होने पर आरोपी को पता चला कि प्रतीक मदान सरकारी नौकरी की तलाश में है। इसका फायदा उठाकर हिमांशु ने जुलाई 2024 में प्रतीक को अपनी व अपने दोस्त गौरव कुमार की उत्तराखंड शासन व मुख्यमंत्री कार्यालय में अच्छी जान पहचान का हवाला देते हुए प्रलोभन दिया कि वह सरकार द्वारा समय समय पर बैकडोर से कुछ पदों पर की जाने वाली भर्ती में उसकी, उसकी बहन, जीजा, चचेरे भाई, दोस्त आदि की सरकारी नौकरी लगा देगा। बैकडोर भर्ती एवज में आरोपी ने 370000 रूपए एडवांस ले लिए। आरोपी ने मोटी रकल तो ले ली। लेकिन उत्तराखंड शासन में जान पहचान की बात झूठी होने के चलते जब शिकायतकर्ता और उसके रिश्तेदारों की काफी समय तक कोई नौकरी नहीं लगी और वह अपना पैसा वापस मांगने लगे तो आरोपी हिमांशु कुमार ने अपना शातिर दिमाग चलाया और इंप्रेशन जमाने के साथ ही गुमराह करने के मंसूबे से समय समय पर मुख्यमंत्री के फर्जी लेटर पैड व लोक निर्माण विभाग चम्बा की फर्जी की फर्जी मेल आईडी तैयार कर प्रतीक मदान को लेटर भेजता रहा। आरोपी ने बैकअप प्लान भी तैयार किया था। प्लान के अनुसार वह प्रतीक मदान व अन्य लोगों को पीडब्लयू डी की फर्जी ईमेल आईडी से हाईकोर्ट की एडिट की गयी मोहर का इस्तेमाल कर बैक डोर नियुक्तियों पर कुछ समय के लिए रोक लगाए जाने का लैटर भेजने वाला था।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से, उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

1	कार्य का नाम व स्थान	उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्य क्षेत्र में मुरादाबाद मंडल के रोजा-सीतापुर सिटी सेक्शन में [illegible] (डंबीलिया और जंगबहादुर गंज स्टेशन के बीच) डाउन मेन लाइन के रेलवे किमी 14/306.923 पर मौजूदा ब्रिज नं. 13 के सब स्ट्रक्चर के पुनर्निर्माण का कार्य जिसमें एम्बैंकमेंट में मिट्टी भरने एवं काटने का कार्य, ब्लैंकेटिंग का कार्य, आर.सी.सी. रिटेनिंग वॉल/विंग वॉल/रिटर्न वॉल का निर्माण, एम्बैंकमेंट के ढलान में जूट जियो-टेक्सटाइल (जेजीटी) का प्रावधान तथा नालियों का निर्माण कार्य सम्मिलित है, और ब्रॉड गेज ट्रैक और टर्नआउट को जोड़ने, ग्लूड जॉइंट्स और एसईजे का प्रावधान, मौजूदा ट्रैक एवं टर्नआउट को नष्ट करना, बैलास्ट को संभालने, उठाने, लोड करने, ले जाने, उतारने और फैलाने का कार्य, बीएनआई/एनआई अवधि में काम कर रहे पी-वे सामग्री का प्रबंधन एवं रोजा यार्ड रीमॉडलिंग (शेष कार्य) या किसी अन्य स्थान पर कार्य के सम्बन्ध में।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	09 (नौ) माह।
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 1108.37 लाख
4	जमा की जाने वाली जमानत राशि	रु. 7,04,200.00
5	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की वृहत जानकारी	ई निविदा प्रपत्र की वृहत सूचना उत्तर रेलवे कि वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपर्युक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस वेबसाईट www.ireps.gov.in पर दिनांक 25.02.2025 से दिनांक 19.03.2025 को 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। उपर्युक्त टेण्डर के सम्बन्ध में अन्य सभी नियम व शर्तें टेण्डर डॉक्यूमेंट में दी गई हैं। निविदा सूचना कि वृहत जानकारी कार्यालय में निविदा सूचना बोर्ड से की जा सकती है।
6	ई-निविदा अपलोड करने व खुलने की तिथि	ई-निविदा दिनांक 05.03.2025 से 19.03.2025 को 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है। बोलीकर्ता ई-टेण्डर में भाग ले सकते हैं। टेकनिकल कम कमर्शियल बिड दिनांक 19.03.2025 को 11:30 बजे तक ई-टेण्डर अपलोडिंग बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जाएगी। योग्य टेंडरर की फाइनेन्शियल बिड कार्यालय द्वारा दी गई दिनांक व समय की सूचना के आधार पर बाद में खोली जाएगी।

निविदा सूचना सं. 1-डब्लू-टेण्डर-288-उप मु. अभि. नि. मुरादाबाद दिनांक 25.02.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 625/25

कृषक सम्मान निधि किसानों के खाते में हुई हस्तांतरित

रुड़की। सोमवार को प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 19वीं किस्त को किसानों के खाते में वर्चुअल मोड में हस्तांतरित किया गया। जिसका सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र धनौरी के सभागार में जनपद के कृषकों को दिखाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर बिहार से 22 हजार करोड रुपए सीधे 10 करोड़ किसानों के खाते में वर्चुअल मोड में हस्तांतरित किए। इस मौके पर केंद्र द्वारा एक कृषक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र धनौरी के प्रभारी डॉ. पुरुषोत्तम कुमार ने मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों से आह्वान किया कि वह ज्यादा से ज्यादा जैविक तथा प्राकृतिक उत्पाद को अपने कृषि में अपनाएं। कम से कम रासायनिक खाद तथा रसायनों का उपयोग कृषि में करें।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का भाजपाईयों ने किया स्वागत

भारतीय जनता पार्टी रुड़की के बूथ संख्या 11 पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। भारतीय जनता पार्टी रुड़की के बूथ संख्या 11 पर गौरव त्यागी के कार्यालय पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का स्वागत कार्यक्रम किया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सिविल लाइन बृजमोहन सैनी, मंडल अध्यक्ष रामनगर सुमित अग्रवाल को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम संयोजक गौरव त्यागी ने प्रदेश व जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। मंडल अध्यक्ष बृजमोहन सैनी, सुमित अग्रवाल ने संयुक्त रूप से प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी दी है। उसे निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने का काम करेंगे।वहीं पार्टी संगठन के कार्यकर्ताओं ने अनौपचारिक रूप से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा की। स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता मोहित राष्ट्रवादी, कार्यक्रम संयोजक गौरव त्यागी, अनुभव त्यागी, विकास प्रजापति, जिला सोशल मीडिया प्रभारी कविश मित्तल आदि उपस्थित रहे।

बाइक रेडी समेत मसाला पिसाई की चक्की चोरी

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति की रात्रि मोटरसाइकिल तथा उस पर लगाई गई मसाला पिसाई चक्की चोरी हो गई। पीड़ित द्वारा थाने में तहरीर देकर बाइक, रेडी तथा मसाला पिसाई की चक्की बरामद करने की गुहार लगाई है।

ग्राम हिराहेडी निवासी टिंकू कुमार ने इकबालपुर पुलिस चौकी में तहरीर देकर बताया कि उसने अपनी मोटरसाइकिल रेडी बना रखी है। उसी में उसने मसाला पिसाई चक्की फिट कर रखी है। वह गांव-गांव जाकर मसाले पीसकर अपने परिवार की गुजर बसर करते हैं। रविवार शाम उसने प्रतिदिन की तरह अपनी बाइक ठेली को मोहल्ले में ही सड़क पर खड़ी की थी। जोकि चोरी हो गई है। इकबालपुर पुलिस चौकी इंचार्ज नितिन बिष्ट का कहना है कि आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखकर बाइक ठेली का पता लगाया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर खानपुर के पोड़ोवाली गांव निवासी अंकित पुत्र राकेश कुमार बिजली विभाग में ठेकेदारी के तहत मीटर रीडर का काम करता था। रविवार शाम को वह ड्यूटी से वापस घर लौट रहा था। मुंडाखेड़ा खुर्द के पास उसकी बाइक एक ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आ गई थी, जिससे अंकित की मौत हो गई थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया था। शव का अंतिम संस्कार करने के बाद उसके पिता राकेश कुमार ने दुर्घटना के आरोपी ट्रैक्टर मालिक ब्रजपाल पुत्र बलराम निवासी गंगदासपुर थाना लकसर के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर उसे तलाश रही है।

शांतिभंग में पांच आरोपी गिरफ्तार

रुड़की। पुलिस ने लड़ाई झगड़ा कर शांतिभंग कर रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का लिखापढ़ी के बाद चालान कर दिया है। रविवार की देर शाम को पुलिस को सूचना मिली कि कोतवाली क्षेत्र के गदरजुड़ड़ा गांव में पांच आरोपी लड़ाई झगड़ा कर शांतिभंग कर रहे हैं ए पुलिस ने शांतिभंग करने वाले आरोपियों रजनीश, जॉनी, रोबिन, बबलू व कालेराम निवास ग्राम गदरजुडड़ा को गिरफ्तार कर लिया।

युवक के साथ मारपीट कर घायल करने का आरोप

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। औद्योगिक क्षेत्र में कार्य को जा रहे एक युवक के साथ अन्य युवकों ने मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के हल्लू माजरा गांव निवासी गुलफाम ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह रोज की तरह सोमवार सुबह औद्योगिक क्षेत्र में अपने काम पर जा रहा था। जैसे ही सोलानी नदी पुल के समीप पहुंचा तो कुछ युवकों ने उसे रोक लिया। गाली गलौच करते हुए मारपीट की। भगवानपुर थाना प्रभारी सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि मामले की पड़ताल की जा रही है।

ई रिक्शा और बाइक में टक्कर-नाजिम निवासी ज्वालापुर अपने साथी युनूस के साथ बाइक से सवार हो कर रुड़की से सोमवार को अपने घर वापस जा रहा था। जैसे ही वह कांवड़ पटरी पर रुड़की महेवड़ के बीच पहुंचा तो सामने से आर रहे ई-रिक्शा चालक ने ओवर टेक कर टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार नाजिम सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घायल को वहां से गुजर रहे राहगीरों व उसके साथी ने उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल भिजवाया। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पुलिस ने नशे के प्रति छात्रों को किया जागरूक

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। पुलिस ने एनआईसी डिग्री कॉलेज धनौरी में कार्यशाला आयोजित कर एनसीसी के छात्र छात्राओं और कॉलेज स्टाफ को नशे के दुष्प्रभाव के बारे जागरूक किया। इस दौरान छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने और सामाजिक दुष्परिणाम पर भी प्रकाश डाला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर थानाध्यक्ष दिलबर सिह नेगी,धनौरी चौकी प्रभारी हेमदत्त भरद्वाज और नेहरू युवा केन्द्र हरिद्वार के द्वारा धनौरी के एनआईसी डिग्री कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें एनसीसी के छात्र छात्राओं को नशे पर लगाम लगाने के उद्देश्य से जागरूक कर वर्तमान में बढ़ते हुए साइबर अपराध ,नशे पर लगाम लगाने और नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में जानकारी देकर दी। इस दौरान छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने और सामाजिक दुष्परिणाम पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं कॉलेज कर्मचारियों ने नशा उन्मूलन अभियान में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया और आश्वासन दिया की वह भी समाज में नशे के दुष्प्रभाव से जागरूक कर प्रचार प्रसार करेगे।इस दौरान पुलिस कर्मी ओर कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

वहीं दूसरी ओर मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत योगाभ्यास से की गई। स्वयंसेवियों ने योगाभ्यास कर अन्य को भी अपनी दिनचर्या में योग शामिल करने की बात कही। इसके बाद स्वयंसेवी छात्राओं ने शफीपुर गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ वातावरण के महत्व को समझाना था। इसके बाद महिला चिकित्सक डॉ. कावेरी अग्रवाल ने छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर और स्त्री रोगों के बारे में उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं की कई समस्याओं का समाधान किया। बौद्धिक सत्र में मेकअप आर्टिस्ट अनुष्का मेहता ने मेकअप के क्षेत्र में करियर बनाने पर प्रकाश डाला। इसके बाद नटराज आर्ट्स ग्रुप के निर्देशक दर्शन आहूजा ने वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

नीलगाय की टक्कर से दंपत्ति घायल

रुड़की। ग्राम शेरपुर के पास सोमवार को सड़क पार कर रही नीलगाय की टक्कर लगने से बाइक सवार दंपत्ति घायल हो गए। जिसमें से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। ग्राम बिलासपुर निवासी नवीन कुमार अपनी पत्नी बबीता के साथ बाइक से गुरुकुल जा रहे थे। झबरेड़ा लखनोता मार्ग ग्राम शेरपुर के पास कुछ नीलगाय तेजी से सड़क पार कर रही थी। इस समय अचानक सड़क पर तेज गति से आई नीलगाय की टक्कर बाइक से हो गई। टक्कर लगते ही बाइक सवार दंपत्ति सड़क पर गिर गए तथा घायल हो गए। वहां से आने जाने वाले लोगों द्वारा कस्बे में स्थित डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया। दोनों घायलों के प्राथमिक इलाज के बाद महिला को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

सभापति पद के दावेदारों की बढ़ी परेशानी

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। राज्य सहकारी समितियों में प्रबंध कमेटी के चुनाव के तहत सोमवार को डायरेक्ट चुने गए। जीत के बाद विजेता प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के साथ खूब जश्न मनाया। लेकिन न्यायालय के आदेश के बाद विजेता प्रत्याशी और सभापति बनाने का सपना देख रहे उम्मीदवारों के माथे पर चिंता की लकीरें छा गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सहकारी समितियों में प्रबंध कमेटी के चुनाव के तहत सोमवार को डायरेक्ट चुने गए। सोमवार को राज्य सहकारी समितियों में सुबह डायरेक्टर के लिए मतदान हुआ। इसके बाद देर रात को परिणाम घोषित किए गए। परिणाम घोषित होने के साथ ही डायरेक्टर अपने समर्थकों के साथ खुशियां मनाने में जुट गए। वहीं सभापति और उपसभापति बनाने के सपने देख रहे लोग भी माहौल को अपने पक्ष में करने में जुट गए थे। जीत की घोषणा होने के साथ ही वह विजेताओं को अपने पक्ष में करने के लिए उनके घर पहुंचना शुरू हो गए। लेकिन न्यायालय के आदेश के बाद उनकी खुशियों का रंग फीका पड़ गया। सभापति पद के दावेदारों को उम्मीद थी कि पहले की तरह ही इस बार भी डायरेक्टर चुनाव के 1 दिन बाद ही सभापति और उपसभापति चुन लिए जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं होने पर कई दावेदारों का चुनाव प्रभावित होने की संभावना है। वही चुने गए कुछ डायरेक्टर को भी चुनाव निरस्त होने का डर सता रहा है।

समिति चुनाव में हुए विवाद में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज-बहुउद्देशीय सहकारी समिति चुनाव के दौरान डाडा जलालपुर गांव के दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जबकि दूसरे पक्ष ने भी तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि तहरीर के आधार पर क्रॉस मुकदमा दर्ज कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी गई है। शांति व्यवस्था बनी रहे इसके लिए गांव में उचित पुलिस बल तैनात किया गया है।

रुड़की में एक मार्च को ज्योतिष सम्मेलन

देशभर से जुटेंगे 150 से अधिक ज्योतिष विद्वान

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। आचार्य रमेश सेमवाल जी महाराज ने सिविल लाइन स्थित होटल में प्रेसवार्ता कर बताया कि आगामी एक मार्च को उत्तराखंड ज्योतिष परिषद द्वारा अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के विद्वान व प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य भाग लेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसारआचार्य रमेश सेमवाल जी महाराज ने सिविल लाइन स्थित होटल में प्रेसवार्ता की। आचार्य रमेश सेमवाल महाराज ने बताया कि 80-वां यह ज्योतिष सम्मेलन रुडकी में आयोजित होगा, जिसमें डेढ़ सौ से अधिक ज्योतिषाचार्यों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन में ज्योतिष के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाएगा तथा निशुल्क परामर्श दिया जाएगा। आचार्य रमेश सेमवाल जी महाराज ने बताया कि हिंदू नववर्ष आगामी माह से प्रारंभ होगा,जिसमें देश की वर्तमान एवं भविष्य की स्थिति तथा देश में राजनीतिक हालातों पर चर्चा के साथ ही दुनिया में हो रही उथल-पुथल एवं रूस व यूक्रेन जंग क्या मोड लगा,आपदाओं एवं अन्य परिस्थितियों पर ज्योतिष के माध्यम से प्रकाश डाला जाएगा। इस ज्योतिष सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध विद्वान केए दुबे,डॉक्टर अजय भाभी,जीडी वशिष्ठ,आचार्य अनिल वत्स, आचार्य शुभेस शर्मन, राजेश्वराचार्य,डॉक्टर ललित पंत आदि ज्योतिषाचार्यों के अलावा शंकराचार्य राज राजेश्वरम जी महाराज,पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक आदि भी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे।प्रेसवार्ता में वरिष्ठ भाजपा नेता सौरभ भूषण शर्मा, समाजसेवी डॉक्टर अर्पित सैनी आदि मौजूद रहे।

सहकारी समितियों में चुनाव पर फिलहाल रोक

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। सहकारी समितियों में चुनाव स्थगित करने के आदेश उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए हैं। मामले में अगली सुनवाई 27 फरवरी तय की गई है। वहीं आदेश आने से पहले निदेशकों के चुनाव समितियों में संपन्न हो गए लेकिन जीते हुए निदेशकों को प्रमाण पत्र न्यायालय के अग्रिम आदेश के बाद देने की बात अधिकारियों द्वारा उन्हें बताई गई है।

सहकारी समितियों के चुनाव इस बार लगातार हिचकोले खाता दिख रहा है। हरिद्वार जिले की सहकारी समितियों में 24 फरवरी को निदेशकों और 25 फरवरी को अध्यक्षों के चुनाव होने की तिथि निर्वाचन द्वारा जारी की गई थी लेकिन उससे पूर्व पनियाला निवासी अखलाक की रिट के बाद जहां 22 फरवरी को न्यायालय ने जिले की छह समितियों में चुनाव स्थगित करने के आदेश दिए थे। वहीं बाकी समितियों में आज निदेशकों के चुनाव हुए लेकिन आज न्यायालय ने मांगेराम सिरोही बनाम सरकार व अन्य में सुनवाई करते हुए समितियों के स्थगन के आदेश पारित किए हैं मामले में अग्रिम सुनवाई 27 फरवरी को होगी। वहीं यह आदेश आने के तक सहकारी समितियों में निदेशक पद पर मतदान प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी ऐसे में चुनाव के बाद मतगणना की गई लेकिन फिलहाल विजई निदेशकों को प्रमाण पत्र नहीं दिए गए हैं और 25 फरवरी को होने वाले चुनाव भी नहीं होंगे। मामले में अगली सुनवाई 27 फरवरी को है उसके बाद न्यायालय के आदेश के बाद ही चुनाव में अगली प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जानिए क्यों हुए चुनाव स्थगित..उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य में आज सोमवार 24 फरवरी को हो रहे सहकारी समितियों के चुनाव के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ती मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ती आशीष नैथानी की खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार से कहा है कि चुनाव एकलपीठ के आदेश के अनुसार ही हों। बता दें कि इस मामले में आज एकलपीठ के आदेश के खिलाफ सोसाइटी की तरफ विशेष अपील के माध्यम से चुनौती दी गयी, जिसमें कहा गया कि सहकारी समितियों का चुनाव कराने हेतु राज्य सरकार ने इसमे कुछ संसोधन किए है, उसको भी लागू किया जाय और उसी के अनुसार चुनाव कराएं।

आपत्ति व्यक्त करते हुए आरटीआई एक्टिविस्ट भुवन पोखरिया व कई अन्य याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि कॉपरेटिव के चुनाव पूर्व के नियमों के तहत ही कराए जाय। राज्य सरकार ने चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के बाद नियमावली को संशोधित किया है। वह अपने आप मे गलत है, जबकि चुनाव कराने की प्रक्रिया दिसंबर माह से प्रारम्भ हो चुकी है, अब इस मामले में राज्य सरकार संशोधन करा रही है, जो नियम विरुद्ध है। राज्य सरकार ने इसमे संशोधन करके उन लोगों को वोट का अधिकार दे दिया है, जो सेवानिवृत्त है या इस कमेटी के सदस्य नहीं है। नियम ये कहता है कि वही समिति के सदस्यों के का चुनाव में प्रतिभाग कर पाएंगे जो तीन साल से इसके सदस्य रहते आए।

भगवानपुर नगर पंचायत की पहली बोर्ड बैठक आयोजित

मुख्य मार्गों पर लगाई जाएगी एलईडी लाइट

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। नगर पंचायत भगवानपुर के अध्यक्ष गुलबहार ने कहा है कि जल्द ही नई ई-रिक्शा तथा पंपिंग सेट आदि की खरीदारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि बेहतर पथ प्रकाश के लिए मुख्य रास्तों पर एलइडी लाइट लगाई जाएगी। यह बात उन्होंने मंगलवार को नगर पंचायत की पहली बोर्ड बैठक में कहे। बैठक में सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, नगर में पथ प्रकाश करने आदि से संबंधित 29 प्रस्ताव पास किए गए।

वहीं दूसरी ओर धनौरी के महाविद्यालय में मंगलवार को गणित विभाग की ओर से शिक्षा के मूल्य पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार ने छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक क्षेत्र में भावनात्मक ज्ञान, शांतिपूर्ण जीवन और नैतिकता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन मूल्य और शिक्षा हमारे व्यक्तिगत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की समीक्षा बैठक

सभी कर्मचारियों का यूसीसी पंजीकरण शीघ्र करवाने के दिए निर्देश

संवाद सहयोगी

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने विभागीय कर्मचारियों का शत प्रतिशत पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को प्रतिदिन कर्मचारियों के पंजीकरण की प्रगति सूचना निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने के आदेश दिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समान नागरिक संहिता की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी बताया कि सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों के लिए यूसीसी पंजीकरण अनिवार्य है। एक्ट के तहत निर्धारित समय में पंजीकरण न करवाने पर दण्डात्मक कार्रवाई के प्रावधान किए गए हैं। ऐसे में सभी विभागाध्यक्ष अपने विभागीय कर्मचारियों का पंजीकरण समय से करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का निस्तारण व प्रमाण पत्र समय से जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पंजीकरण में आने वाली समस्याओं के निस्तारण के लिए ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर से सम्पर्क किया जा सकता है। इस दौरान जिलाधिकारी ने बैठक से अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने यूसीसी की जानकारी देते हुए बताया कि पोर्टल पर 6 सेवाओं के पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिसमें विवाह, विवाह विच्छेद, लिव इन रिलेशन, लिव इन रिलेशन की समाप्ति, कानूनी उत्तराधिकार, वसीयत पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन अपील व शिकायत भी दर्ज करवा सकतें हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्तमान तक 627 दम्पति की ओर से विवाह पंजीकरण के लिए आवेदन किया गया है। जिनमें से 499 दम्पति को प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए है। जबकि 69 मामलों में कार्रवाई की जा रही है। विवाह पंजीकरण के 38 मामले रद्द किए गए है तथा 15 पुनः जांच के लिए भेजे गए हैं। वहीं 6 मामले उच्चाधिकारियों को अग्रसारित किए गए हैं। वहीं जनपद में वर्तमान तक लिव इन रिलेशन का 1 तथा उत्तराधिकार का 1 आवेदन प्राप्त हुआ है।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक एएस भाकुनी, एपीडी केके पंत, सीएमओ डा. अभिषेक, समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लाटरी से 35 कास्तकारों को भूखंड आवंटित किये

नई टिहरी। टिहरी बांध परियोजना के तहत विभिन्न ग्रामों के 35 पात्र विस्थापित कास्तकारों को आवासीय भूखण्डों का लाटरी के माध्यम से आंवटन किया गया। मंगलवार को शासन द्वारा गठित समिति के अधिकारियों ने टिहरी बांध परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों के पात्र विस्थापितों एवं पुनर्वास निदेशक डीएम मयूर दीक्षित की उपस्थिति में पुनर्वास निदेशालय में 35 पात्र विस्थापित कास्तकारों के लिए पारदर्शी प्रक्रिया से 200 वर्ग मीटर के आवासीय भूखण्ड आंवटित किए गए। जिसके लिए दो डिब्बों का प्रयोग किया गया प्रथम डिब्बे में कास्तकारों के नाम तथा द्वितीय डिब्बे में आवासीय भूखंडों की पर्चियां रखी गई। पर्चियों को निकालने के लिए उपस्थित कास्तकारों को ही बुलाया गया तथा उनके द्वारा ही पर्चियां निकाली गई। जिसको पढ़ते हुए मय वीडियोग्राफी सहित अभिलेखों में दर्ज किया गया। लॉटरी के माध्यम से पुनर्वास के रिक्त आवासीय भूखंडों में से फूलसैणी, देहरादून में 2, भानियावाला अठूरवाला में 1 तथा घमण्डपुर रैनापुर ग्रान्ट रानीपोखरी, देहरादून में 33 आवासीय भूखण्ड आंवटित किए गए। इस अवसर पर डीएम ने पुनर्वास एवं टीएचडीसी के अधिकारियों को आंवटित भूखंडों को पुनर्वास नियमावली के तहत पूर्ण पालन करने तथा पात्र लाभार्थी को कब्जा दिए जाने के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अधीक्षण अभियन्ता पुनर्वास आरके गुप्ता, महाप्रबन्धक टीएचडीसी विजय सहगल, एसडीएम टिहरी अपूर्वा सिंह, अनूप कुमार डियूंडी सहित पात्र कास्तकार मौजूद रहे।

विधायक उपाध्याय ने किया श्रीदेव सुमन विवि के निर्माण कार्यों का जायजा

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का मंगलवार को जायजा लिया। जिसके बाद बैठक कर विधायक ने निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री को उच्च स्तरीय रखने के निर्देश दिए। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने विवि के अधिकारियों को विश्वविद्यालय के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने की सलाह दी। विश्वविद्यालय के मुख्यालय में निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए विधायक ने डीएम से दूरभाष पर बातचीत कर विश्वविद्यालय के विकास कार्यों में सहयोग देने को कहा। उन्होंने जिलाधिकारी को दूरभाष पर बताया कि विश्वविद्यालय के मुख्यालय में स्थित माध्यमिक विद्यालय को जल्द से जल्द पूर्व में निर्धारित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। विधायक ने विवि में चल रहे अवस्थापना विकास प्रगति पर कुलपति प्रो एनके जोशी की प्रशंसा की। उन्होंने निर्माणाधीन अकादमिक ब्लाक, ट्रांजिट हास्टल, कुलपति आवास, अधिकारी आवास, कैफेटेरिया, आदि निर्माण कामों का निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय अधिकारियों को निर्देशित दिए कि मुख्यालय में बीसीए के अतिरिक्त अन्य पाठ्क्रमों की कक्षाएं भी संचालित की जाए। ताकि स्थानीय छात्रों को इसका लाभ मिल सके। मौके पर चम्बा नगर पालिका की अध्यक्षा शोभनी धनोला, ऋषिकेश के निदेशक प्रो महाबीर सिंह रावत, उप कुलसचिव डॉ. आरके जोशी, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. हेमन्त बिष्ट, सहायक कुलसचिव प्रशासन विजय सिंह, सहायक कुलसचिव वित्त प्रमोद बैंजवाल, निजी सचिव कुलपति वरुण डोभाल, विजय कठैत, अक्षत बिजल्वाण, उदय रावत, दीपक गुनसोला, राजेश्वर बडोनी, विनोद सुयाल आदि मौजूद रहे।

अफसर करेंगे ग्राम पंचायतों का भ्रमण

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशों पर ग्रामीण क्षेत्रों में जनता की समस्या के समाधान के लिए अफसर गांवों का भ्रमण करेंगे। गांवों में बैठक कर हर हाल में जन समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने जानकारी देते हुए बताया कि माह फरवरी अंत के लिए जारी रोस्टर के अनुसार उप वन संरक्षक कल्याणी विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत खांकरा में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ग्राम पंचायत बरम्वाडी, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार ग्राम पंचायत थाती बडमा, परियोजना निदेशक विमल कुमार ग्राम पंचायत जवाडी, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ग्राम पंचायत नगरासू, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया विकास खंड जखोली की ग्राम पंचायत उच्छोला, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ग्राम पंचायत रांसी, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ग्राम पंचायत जोंदला, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड खुशवंत सिंह चौहान चंद्रापुरी, अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई पवन कुमार ग्राम पंचायत पालाकुराली, जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर चिनग्वाड में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। कुल 45 जनपद स्तरीय अधिकारियों को विकास खंडवार ग्राम पंचायतों का आवंटन किया गया है।

परिवहन विभाग ने किए 50 वाहनों के चालान

रुद्रप्रयाग। आगामी यात्रा सीजन को देखते हुए परिवहन विभाग ने चेकिंग अभियान को अभी से और प्रभावी बना दिया है। परिवहन विभाग ने विशेष संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया जिसमें कुल 50 चालान किए गए। प्रभारी एआरटीओ दीपक द्वारा बदरीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर अनेक स्थानों पर वाहनों को चेक किया जिसमें कई खामियां पाए जाने पर उनका चालान किया गया। परिवहन विभाग द्वारा कर जमा न होने के 11 चालान किए गए जबकि यात्री ओवरलोड में 3, सामान ओवरलोड में 1, बिना परमिट वाहन संचालन 2, बिना इंश्योरेंस 7, बिना हैलमेट 5, बिना लाइसेंस 5, बिना सीट बैल्ट 6, बिना प्रदूषण 4 और अन्य चालान 31 किए गए हैं।

खाड़ी बाजार में भाजपा नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के तहत शहीद रविंद्र रावत उत्तराखंड आंदोलनकारी के शहर खाड़ी बाजार में स्थानीय जनता एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड सरकार के मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा विधानसभा सत्र में पहाड़ियों के खिलाफ अशब्द बोले जाने पर काबीना मंत्री अग्रवाल, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। मौके पर मंगलवार को वक्ताओं ने कहा कि विधायक लखपत बुटोला ने जब पहाड़ियों के विरुद्ध बोले शब्दों पर आपत्ति जताई तो विधानसभा अध्यक्ष ने लखपत बुटोला विधायक को राजनीति न करने की सलाह दे डाली और वहीं दूसरी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा सोशल मीडिया में पहाड़ियों के खिलाफ बोले गए अपशब्दों पर गुस्सा प्रकट करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने की चेतावनी दी है। जिससे खफा क्षेत्रीय लोगों ने संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट व विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी का पुतला दहन किया। साथ में पहाड़ियों का विरोध करने व उत्तराखंड को पहाड़ बनाम मैदान बनाने वाले भाजपा नेताओं को क्षेत्र में न घुसने की चेतावनी भी दी। स्थानीय लोगों ने इस मौके पर कहा कि राज्य गठन में उत्तराखंड के पहाड़ियों का अहम योगदान रहा है और इस राज्य की परिकल्पना पहाड़ों के विकास के लिए ही की गई। लेकिन लगातार सत्ता में बने रहने पर अहंकारी नेताओं ने आज पहाड़ का विरोध करना शुरू कर दिया है। ये वही भाजपा नेता हैं जो पहाड़ियों की बदौलत लगातार जनप्रतिनिधि चुने गए हैं। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल भंडारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र कंडारी, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य दयाल सिंह रावत, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर भंडारी, भास्कर गैरोला, विनोद कोठियाल, महावीर रौतेला, पंकज नेगी, राजपाल गुसाई, गोपाल सजवान, आदि पूतला दहन कार्यक्रम में शामिल रहे।

देवप्रयाग में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के खिलाफ नारेबाजी

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। पहाड़ को लेकर अर्नगल बयानबाजी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हिण्डोलाखाल व नरेंद्रनगर ने उत्तराखंड के संसदीय मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल व विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का पुतला दहन किया। ब्लॉक मुख्यालय हिंडोलाखाल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि भाजपा के संसदीय मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का विधानसभा में उत्तराखंडियों को अपशब्द कहना बेहद शर्मनाक है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने प्रेमचंद अग्रवाल को बचाने का काम किया। क्या यही दिन देखने के लिए उत्तराखंड की मातृ शक्ति व युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने राज्यपाल व मुख्यमंत्री से संसदीय मंत्री को तत्काल पद से बर्खास्त करने की मांग की। पुतला दहन में जिला अध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्यामलाल आर्य, डॉ. जितेंद्र उनियाल, ब्लॉक अध्यक्ष शशि प्रकाश भट्ट, रामलाल नौटियाल, कुंदन सिंह बिष्ट, प्रेमचंद, राजेंद्र भंडारी, विकास आर्य, मनवीर चंद, मंगल सिंह रौथाण, गिरीश कुमार, श्याम दास, उमेद सिंह चौहान, विजय कुमार, प्रकाश उनियाल, कमल सिंह भंडारी, कलम दास, धनवान सिंह पवार, आशीष पंवार आदि शामिल रहे। वहीं लसेर में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्रनगर डॉ. सोहनलाल चमोली की अगुवाई में संसदीय मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल की सांकेतिक शव यात्रा निकाल कर पुतला दहन किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि राज्य आंदोलन में पहाड़ के 13 लोगों ने शहादत दी थी। मंत्री बताये कि आंदोलन में कितने अग्रवाल लोगों द्वारा शहादत दी गई। शव यात्रा व पुतला दहन में ग्राम प्रधान भुटली आशीष रानाकोटी, ब्लॉक उपाध्यक्ष उम्मेद सिंह, मंडल अध्यक्ष टिकम सिंह राणा, जिला सचिव सत्यनारायण सिंह, राज्य आंदोलनकारी मालचंद रावत आदि शामिल रहे।

लौका, गोठा के ग्रामीणों का धरना 318वें दिन भी जारी

रुद्रपुर। तीन सूत्रीय मांगों को लेकर लौका, गोठा के ग्रामीणों का मंगलवार को धरना 318वें दिन भी जारी रहा। ग्रामवासी काबिज भूमि में भूमिधरी अधिकार देने, गांव में पुलिस चौकी खोलने, गांव में उप चिकित्सालय खोलने की मांग को लेकर नगरपालिका परिसर में अनिश्चितकालीन दिन-रात धरना दे रहे हैं। भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सतेन्द्र कुमार ने सरकार, शासन, प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि आंदोलन को 318 दिन हो गये हैं। लेकिन शासन, प्रशासन के किसी अधिकारी ने बात करने की सुध तक नहीं ली। चेतावनी दी कि ग्रामीण आंदोलन तेज करेंगे। यहां मुरारी, योगेंद्र, श्यामसुन्दर, सुरेश, मनोहर, संदीप शामिल रहे।

ब्रह्मकुमारी विवि ने किए अनेक स्थानों पर महाशिवरात्रि को लेकर कार्यक्रम

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रुद्रप्रयाग द्वारा 89वीं महाशिवरात्रि पर्व को लेकर कई जगहों पर शिवरात्रि का कार्यक्रम आयोजित किया। जहां लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। विवि ने जनपद के लोगों से महाशिवरात्रि के पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने का आह्वान किया। हर साल की तरह इस बार भी ब्रह्मकुमारी विवि द्वारा जनपद के अनेक स्थानों पर महाशिवरात्रि को लेकर कार्यक्रम हुए। इसमें स्थानीय ब्रह्माकुमारी आश्रम से महाशिवरात्रि पर्व मनाने की शुरुआत की गई। जबकि ग्राम पुनाड़, डांगसेरा, नरकोटा, झिरमोली, तिलवाड़ा के शीशों, चंद्रापुरी मठखाणी, भटवाड़ी, रतूड़ा, नगरासू तथा विजराकोट में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भक्तों द्वारा कीर्तन-भजन का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने भगवान शिव के भक्ति भजन एवं आस्था का जो समागम दिखाया उससे सम्पूर्ण माहौल भक्तिमय हो गया। इस मौके पर उत्तराखंड के ब्रह्मा कुमारीज के संचालक राज योगी भ्राता मेहरचंद ने सभी स्थानीय लोगों को शिवरात्रि पर्व का महत्व बताया। साथ ही संकल्प दिलाया कि शिवरात्रि पर विशेष अपने मन के दुर्गुणों व बुराइयों को दूर कर सच्चा व्रत लेने का संकल्प करें। जिससे हमारे जीवन में सुख शांति का अनुभव हो सके। ब्रह्मकुमारी ज्योति एवं नीलम ने भी जन जन तक इस संदेश को पहुंचाया कि भगवान शिव सबके तारणहार है इसलिए इस व्रत पर बुराइयों को त्यागने का व्रत लें।

वहीं दूसरी ओर महाशिवरात्रि के पर्व के लिए जनपद के शिवालय सजने लगे हैं। स्थानीय लोग भी शिवालयों को सजाने में पूरी तत्परता से मदद कर रहे हैं। नई टिहरी जनपद मुख्यायल में अवस्थित सत्येश्वर महादेव मंदिर, त्रिदेव मंदिर, पंच महादेव मंदिर, देवलसारी महादेव, कोटेश्वर महादेव मंदिर, बगासू महादेव मंदिर, ओणेश्वर महादेव मंदिरों को महा शिवरात्रि पर्व के लिए सजान का काम तन्मयता से किया जा रहा है। जनपद में शिवरात्रि पर्व की धूमधाम से तैयारियों चल रही हैं। शिवरात्रि के महापर्व पर शिवालयों में जमकर भीड़ उमड़ती है। सुबह से शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा है। शिवभक्त मंदिरों में भांग-धतुरे चढ़ाने के साथ ही शिवस्त्रोत का पाठ करते हैं। शिव को खुश करने के लिए जलाभिषेक से रुद्राष्टक का पाठ भी करते हैं।

नशा नहीं रोजगार दो अभियान के तहत दिया धरना

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। तहसील मुख्यालय गुरड़ाबांज में नशा नहीं रोजगार दो अभियान के तहत उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी व अन्य संगठनों ने एक दिवसीय धरना दिया। इसे लेकर प्रदेश में जन आंदोलन चलाने की चेतावनी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार पर बेरोजगारी बढ़ाने और जगह-जगह शराब की दुकानें खोलने का आरोप लगाया। अभियान के संयोजक व उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष पी.सी. तिवारी ने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक असमानता के कारण प्रदेश का युवा नशे का शिकार हो रहा है। उन्होंने सरकार से काम के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करने की मांग की और प्रदेश में जन आंदोलन चलाने की चेतावनी दी। धरने के बाद युवाओं और संगठनों ने एसडीएम एन.एस. नगन्याल के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में जंगली जानवरों के आतंक, बंजर होते खेतों, खस्ताहाल सड़कों, सिंचाई टैंकों और पेयजल लाइनों के निर्माण सहित कई मांगें शामिल थीं। सभा को सामाजिक कार्यकर्ता शिवदत्त पांडे, पूरन लाल, उपपा के कौस्तुभानंद, बसंत खनी, एडवोकेट नारायण राम, आनंद सिंह, मनोज कुमार सहित कई अन्य लोगों ने संबोधित किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लद्धावाला, मुजरफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री का प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक के विरोध में उतरे अधिवक्ता

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। जिला बार एसोसिएशन अल्मोड़ा ने भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक 2025 व उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विवाह पंजीकरण, वसीयत पंजीकरण को यूसीसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन करने और उसकी प्रक्रिया को जटिल बना देने, साथ ही इसमें अधिवक्ताओं की भागीदारी समाप्त करने के विरोध में जिला न्यायालय अल्मोड़ा व नवीन कलेक्ट्रेट परिसर में सभा आयोजित की। इसके बाद जिला न्यायालय अल्मोड़ा से नवीन कलेक्ट्रेट परिसर तक आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान अधिवक्ताओं ने नारेबाजी की और अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए प्रस्तावित अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक 2025 को तत्काल वापस लेने की पुरजोर मांग की। अधिवक्ताओं ने कहा कि विवाह पंजीकरण, वसीयत व संपत्ति रजिस्ट्रेशन विधिक कार्य हैं और ये दस्तावेज विधिक दस्तावेज हैं, जिनमें अधिवक्ताओं की भूमिका को समाप्त करने से भविष्य में कई तरह की परेशानियां व विधिक विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। अतः इन सभी पंजीकरण प्रक्रियाओं में अधिवक्ताओं की भागीदारी और सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके साथ ही अधिवक्ताओं ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रस्तावित ऑनलाइन भूमि रजिस्ट्रेशन का भी विरोध किया और इस प्रस्ताव को अविलंब वापस लेने की मांग की। अधिवक्ताओं ने लिव-इन रिलेशनशिप के प्रावधान को उत्तराखंड की परंपरा व संस्कृति के खिलाफ बताते हुए इसे भी तुरंत वापस लेने की मांग की। अपनी मांगों को लेकर अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि, अपर जिलाधिकारी अल्मोड़ा के माध्यम से एक ज्ञापन कानून मंत्री, भारत सरकार व एक ज्ञापन मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड को प्रेषित किया।

विकासखंडों में बहुउद्देशीय शिविर होंगे आयोजित

अल्मोड़ा। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने बताया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने एवं जन समस्याओं को मौके पर ही निस्तारण किये जाने के उद्देश्य से आगामी 01 मार्च को प्रातः 11:00 बजे से विकासखण्ड ताड़ीखेत के श्रद्धानन्द खेल मैदान में, 04 मार्च को प्रातः 11:00 बजे से विकासखण्ड स्याल्दे के नवीन तहसील भवन में एवं 06 मार्च को प्रातः 11:00 बजे से विकासखण्ड लमगड़ा के राजकीय इण्टर कालेज देवीथल में बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये।

विद्युत बिल भुगतान को पृथक काउंटर की मांग

पिथौरागढ़। नगर में ऑल इंडिया सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी के एक शिष्टमंडल ने स्मार्ट मीटर को लेकर यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता नितिन गर्खाल से मुलाकात की। सोसायटी के अध्यक्ष दयानंद भट्ट और सचिव इं. ललिता प्रसाद जोशी के नेतृत्व में लोग यूपीसीएल के कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर आमजन में तरह-तरह की भ्रातियां फैली हुई हैं। उन्होंने गर्खाल से जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए उपभोक्ताओं तक सही जानकारी पहुंचाने की अपील की है। साथ ही बिजली बिल भुगतान के लिए कार्यालय के कक्ष में वरिष्ठ नागरिकों के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था करने की मांग की है। इस दौरान गिरधर सिंह बिष्ट, गोविंद बल्लभ उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी अध्यक्षता में वनाग्नि रोकथाम पर आयोजित हुई बैठक

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। फॉरेस्ट फायर की रोकथाम के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जल निगम तथा जल संस्थान के अधिकारियों को जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे संवेदनशील वन क्षेत्र जहां पानी की पाइप लाइन बिछी हुई हैं वहां प्रत्येक 500 मीटर पर पानी का प्वाइंट बनाया जाए, जिससे फॉरेस्ट फायर के दौरान उसका उपयोग करके आग पर काबू पाया जा सके। जिलाधिकारी ने इस संबंध में पूर्व में भी बैठक कर संबंधित अधिकारियों को इस पहल को लागू करने के निर्देश दिए थे। बैठक में पूर्व में दिए निर्देशों की भी समीक्षा हुई। जिन अधिकारियों ने इस पहल को धरातल पर उतारने के लिए अपेक्षित कार्य नहीं किया, जिलाधिकारी ने उनके प्रति नाराजगी जाहिर की तथा कड़े निर्देश दिए कि आगामी दो दिन में उपरोक्त के दृष्टिगत सर्वेक्षण पूर्ण कर लिया जाए। जहां जहां प्वाइंट बनाएं जाएंगे, उन प्वाइंट को जीआईएस पर भी मैप करें। विदित हो कि यह पहल जिलाधिकारी द्वारा वनाग्नि रोकथाम के लिए प्रयोगात्मक रूप से प्रारंभ की गई है। इसके तहत लगभग 100 किलोमीटर के क्षेत्र में जहां जहां वन क्षेत्र से पेयजल लाइन बिछाई हुई हैं, वहां प्रत्येक 500 मीटर पर पानी की लाइनों में प्वाइंट बनाए जाएंगे तथा पानी के अंडर ग्राउंड टैंक भी बनाए जाएंगे। यह टैंक रिसाव रोधी होंगे तथा लंबे समय तक इनमें पानी की उपलब्धता बनी रहेगी, जिससे जंगली जानवरों को भी पीने का पानी जंगल में ही मिल सकेगा। उन्होंने जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को निर्देश दिए कि इस कार्य हेतु सभी खंडों को दो दो लाख रुपए आंशिक आधाराशि के रूप में दे दिए जाएं, जिससे वे अपने कार्यों को सुचारू रूप से कर सकें। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, डिप्टी कलेक्टर याक्षी अरोड़ा समेत संबंधित संस्थाओं के अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

सहकारिता चुनाव में 50 में से 41 डायरेक्टर भाजपा के : राजेश शुक्ला

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। भाजपा ने किच्छा विधानसभा में सहकारिता चुनाव में तीन समितियों की 50 डायरेक्टर सीट में 41 जीती हैं। जो करीब 82 प्रतिशत है। कोऑपरेटिव बैंक में चुने जाने वाले दोनों डायरेक्टर पिछली बार की तरह भाजपा के ही होंगे। मंगलवार को भाजपा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने अपने कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि शांतिपुरी सोसायटी में सभी 11 डायरेक्टर भाजपा समर्थित, नारायणपुर सोसायटी में 11 डायरेक्टर सीट पर 8 भाजपा समर्थित, दक्षिणी सोसायटी किच्छा में 11 डायरेक्टर सीट में 7 पर भाजपा समर्थित और गंगापुर सोसायटी में सभी 7 सीटों पर भाजपा समर्थित डायरेक्टर जीते है। बरा सोसायटी में किच्छा विधानसभा के 7 डायरेक्टर क्षेत्र आते है जिसमें 5 पर भाजपा समर्थित डायरेक्टर जीते है। कुल मिला कर किच्छा विधानसभा में 41 स्थानों पर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने विजय हासिल की है। इसलिए यहां भाजपा का चौयरमेन बनना तय है। शुक्ला ने आरोप लगाया कि बीते निकाय चुनाव में भी भाजपा ने नगला, लालपुर में बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। जिससे साफ पता चलता है कि लोग प्रधानमंत्री मोदी के विजन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्य को पसंद कर रहे है। इसके बावजूद कांग्रेसी अहंकार में वशीभूत होकर आगामी विधानसभा चुनाव में दूसरों को निपटाने की बात कर रहे है।

सिरौली को नगर पालिका का दर्जा देने की तैयारी-शुक्ला ने बताया कि सिरौली को नगर पालिका का दर्जा देने की तैयारी चल रही है। जिसके बाद भाजपा किच्छा और सिरौली में समान रुप से विकास कार्य करेगी। यहां पूर्व सभासद सोनू भुसरी और धर्मराज जायसवाल रहे।

चोरी का आरोपी नगदी व जेवरात के साथ गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। सितारगंज के बिजली कॉलोनी वार्ड 10 में सात फरवरी की रात में ईश्वरी दत्त बुधानी के घर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। सोमवार को चोरी में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चार लाख की नगदी व लाखों के जेवरात बरामद किये हैं। चोरी में प्रयुक्त की गयी कार भी बरामद कर ली गयी है। चोरी में शामिल दूसरा मुख्य आरोपी फरार है। दोनों आरोपी मिलकर पूर्व में भी मिलकर कई चोरियों को अंजाम दे चुके हैं। चोरी में प्रयुक्त की गयी कार भी बरामद कर ली गयी है।

लाखों की नगदी व जेवरात चोरी होने की सूचना मिलने पर पुलिस की कई टीमें जांच में जुट गयी। पुलिस ने करीब 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के अवलोकन के बाद चोरी में प्रयुक्त कार के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। सोमवार की रात्रि में मुखबिर की सूचना पर नकटपुरा चौराहा सरकड़ा से एक आरोपी अंकित मिश्रा उर्फ सोनू पुत्र राकेश निवासी भोजपुर, शाहपुर खितौआ, कटरा जिला शाहजहापुर यूपी को स्विफ्ट डिजायर के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के वाहन के डैश बोर्ड में रखे हैण्ड बैग से चोरी का माल सोने के गहने व नकदी तथा चादी के जेवरात व चार लाख की नगदी बरामद की। एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि चार लाख की नगदी, दो मंगल सूत्र, दो चौन, एक अंगूठी, एक सिक्का बरामद किया है। मंगलवार को आरोपी को अदालत में पेश किया। चोरी में शामिल अंकित का साथी शुभम उर्फ आदित्य फरार है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने खुलासा करने वाली टीम को पांच हजार का नगद ईनाम व एसओजी के कास्टेबल पंकज बिनवाल को 1500 रुपये का नगद ईनाम की घोषणा की है। टीम में कोतवाल नरेश चौहान, एसएसआई विक्रम सिंह धामी, एसआई कैलाश देव, एसआई दीपक कौशिक, एसआई सुरेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट, एसआई इन्दर सिंह ढैला, एसआई प्रकाश चन्द्र भट्ट, एएसआई राकेश रौकली, एएसआई सुरेन्द्र सिंह दानू, किरन कुमार मेहता, चन्द्र प्रकाश, अशोक बोरा, अमित जोशी, एसओजी के महेश बिनवाल शामिल रहे।

एयरगन लहराकर डराने का आरोपी युवक धरा-नगर में एयरगन लहराकर लोगों को डराने और परेशान करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक बीते रोज सूचना मिली कि ऐंचोली निवासी नितिन तिवारी शराब के नशे में अपनी पास रखी एयरगन से आसपास के लोगों को डरा-धमकाकर परेशान कर रहा है। चौकी प्रभारी कमलेश चंद जोशी के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर एयरगन को जब्त कर नितिन को गिरफ्तार कर लिया। जोशी ने बताया कि संबंधित के खिलाफ बीएनएस की धारा 170 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

महाकुंभ में स्नान को यात्रियों का दल प्रयागराज रवाना

पिथौरागढ़। सीमांत से महाकुंभ में स्नान को यात्रियों का एक दल प्रयागराज रवाना हुआ।

मंगलवार को पूर्व सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष मयूख भट्ट ने बताया कि 20 यात्रियों का आखिरी दल जिला मुख्यालय से निकला, जो शिवरात्रि के पुण्य अवसर पर त्रिवेणी में स्नान करेगा। उन्होंने बताया कि संगठन की ओर से यहां जाने वाले पूर्व सैनिक और उनके परिवारजन को सुगमता से आवाजाही के साथ ही त्रिवेणी के निकट स्थित सेना कैंप पर रहने, भोजन की उचित व्यवस्था भी करवाई जा रही है। अब तक संगठन आठ दलों के 104 पूर्व सैनिक और परिवारजन को महाकुंभ यात्रा करवा चुका है।

यूसीसी लागू होने से खड़ा हुआ रोजी-रोटी का संकट

संवाद सहयोगी

पिथौरागढ़। अधिवक्ता, स्टांप वेंडर सहित अन्य लोगों ने यूसीसी का काम ऑनलाइन किए जाने का विरोध जताया है। मंगलवार को जिला मुख्यालय से लेकर मुनस्यारी तक लोगों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध जताया। वक्ताओं ने कहा कि यूसीसी लागू होने के बाद उनके हाथों से काम छिन गया है और रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। नगर के टकाना स्थित कलक्ट्रेट में अधिवक्ता सहित अन्य लोग एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि स्टांप वेंडर, विवाह, वसीयत, बयनामा लेखन, स्टांप विक्रय आदि का कार्य कर कई लोग अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, लेकिन जब से प्रदेश में यूसीसी के तहत नई व्यवस्था लागू हुई है उनका कामकाज चौपट हो गया है। बाद में उन्होंने जिलाधिकारी के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए कहा कि उपरोक्त कार्य को पूर्व की तरह पुरानी व्यवस्था से किया जाए। कहा कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। ये रहे शामिलः अधिवक्ता गंगा सिंह बाफिला, शेर राम मस्ताना, अजय सिंह राठौर, देवकी नंदन जोशी, जगदीश मेहता, नवीन चंद्र जोशी, होशियार सिंह सौन, त्रिलोक चंद्र जोशी, संजय कुमार, तिलक राज, हिमांशु गहतोड़ी, महेंद्र मल्ल, दीपक कुमार, गजेंद्र बहादुर, नवीन चंद्र पंत।

वहीं यूसीसी में ऑनलाइन कार्य के विरोध में दस्तावेज लेखकों ने कार्य बहिष्कार कर आक्रोश जताया। मंगलवार को तहसील मुख्यालय पर कार्यरत सभी दस्तावेज लेखकों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि ऑनलाइन कार्य होने से वह बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने पुरानी व्यवस्था के तहत यूसीसी के कार्य कराए जाने की मांग की है। यहां लक्ष्मण सिंह पांगती, सुन्दर जौहरी, सुन्दर सिंह पंवार, दीवान सिंह कोरंगा, अरायजनवीस मोहन दोसाद, बलवंत सिंह नितवाल आदि मौजूद रहे।

विद्यालय के क्षतिग्रस्त भवन के पुनर्निर्माण की मांग, दिया ज्ञापन

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। ताकुला विकासखंड में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय कांडे के क्षतिग्रस्त भवन के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सतीश चंद्र लोहनी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की और उन्हें इस संदर्भ में एक ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार ज्ञापन में बताया गया है कि प्राथमिक विद्यालय कांडे का भवन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुका है। दीवारों में जगह-जगह दरारें पड़ गई हैं, जबकि छत गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। इस स्थिति के कारण अध्यापक बच्चों को बरामदे में बैठाकर पढ़ाने को मजबूर हैं। बरसात के समय यह स्थिति और भी भयावह हो जाती है। गत वर्ष जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा भवन निर्माण कार्य का आकलन निदेशालय को भेजा गया था, लेकिन निदेशक प्रारंभिक शिक्षा ने इस पर कुछ औपचारिक आपत्तियां लगाई और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आकलन को पुनः निदेशालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। दुर्भाग्यवश, अभी तक यह आकलन नहीं भेजा गया है। शिष्टमंडल में उमेश चंद्र, रमा आर्या, पूजा देवी, चंपा आर्या, दीप्ति भोजक आदि शामिल थे।

कृषि, मानविकी, प्रौद्योगिक व स्नातकोत्तर के अधिष्ठाताओं को बदला

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता पद पर अपना समय पूरा करने के बाद कृषि महाविद्यालय, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाताओं की जगह वरिष्ठ प्राध्यापकों को अधिष्ठाता की कमान सौंपी गई है। निदेशक शोध को तीन माह का और सामुदायिक विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक को वरिष्ठता का लाभ देते हुए उन्हें दोबारा विस्तार दिया गया है। कुलपति की संस्तुति पर अपर मुख्य कार्मिक अधिकारी डा. गौहर ताज ने आदेश जारी किया। जिसके मुताबिक कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप के स्थान पर सस्य विज्ञान महाविद्यालय में वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. सुभाष चन्द्रा को अधिष्ठाता का दायित्व सौंपा है। प्रौद्योगिक महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अलकनंदा अशोक की जगह महाविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में वरिष्ठ प्राध्यापक डा. एसएस गुप्ता को दायित्व सौंपा है। विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. संदीप अरोरा के स्थान पर महाविद्यालय के एमबीजीई विभाग में वरिष्ठ प्राध्यापक डा. अनिल कुमार गौड़ को दायित्व सौंपा है। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. केपी रावरेकर के स्थान पर प्रौद्योगिक महाविद्यालय के इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्प्युनिकेशन विभाग में प्राध्यापक डा. आरपीएस गंगवार को जिम्मा दिया है। उपरोक्त सभी की नियुक्ति नियमित अधिष्ठाता की नियुक्ति तक होगी।

अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान विभाग डा. अल्का गोयल को महाविद्यालय का वरिष्ठ प्राध्यापक होने के कारण उनको नियमित दायित्व दिया है। निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन को तीन माह का सेवा विस्तार दिया गया है।

वंचित राज्य आंदोलनकारी करेंगे चिह्नीकरण की मांग को प्रदर्शन

संवाद सहयोगी

पिथौरागढ़। वंचित रहे राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण की मांग को लेकर देहरादून में प्रदर्शन करेंगे। इसे लेकर मंगलवार को आंदोलनकारियों ने अपनी मांग को लेकर बैठक की।

जानकारी के अनुसार वंचित रहे राज्य आंदोलनकारी चिह्नीकरण की मांग को लेकर देहरादून में प्रदर्शन करेंगे। नगर निगम सभागार में मंगलवार को वंचित राज्य आंदोलनकारियों की बैठक हुई। इस दौरान सर्वसम्मति से जगदीश चंद्र जोशी को संगठन का अध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष जगदीश ने कहा कि प्रदेश में हजारों की संख्या में लोग राज्यआंदोलनकारी चिह्नित करने की मांग कर रहे हैं। कहा कि इससे पूर्व धरना प्रदर्शन भी किया जा चुका है। कई बार वार्ता भी हो चुकी है पर कोई सुनवाई नहीं हो रही। प्रदेश से वंचित राज्य आंदोलनकारी देहरादून में एकत्र होंगे और राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण की मांग करेंगे। इस दौरान नई कार्यकारिणी के विस्तार पर भी चर्चा हुई। इस दौरान मनोज कुमार जोशी, जग ज्योति जोशी, प्रमोद चंद्र पंत, गोविंद सिंह बोहरा, रमेश सिंह बिष्ट, राजीव कुमार डुंगरियाल, सोनू वर्मा, पंकज वल्दिया, जीएस बोहरा, ललित मोहन डिगारी, राजेश चंद्र जोशी, बलबीर सिंह रावल आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

परम नागरिक

बुधवार, 26 फरवरी, 2025

बजट में विशेष प्रावधान

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़ का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब, युवा, किसान, महिलाएं, धार्मिक पर्यटन रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमश: 150-125 करोड़ रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़ व अर्बन फ्लड स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़ रुपये का ऐलान किया। देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6त्न रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़ आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढ़ावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे, सडकों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़ रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सडकों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सडक दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है। सडकों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी कहते थे कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। अर्थात दुनिया में जो सम्मान मिला है वह 2014 के बाद ही मिला है। और देख लीजिए क्या सम्मान मिला है? रोजगार की तलाश में गए युवा भारतीय जघन्य अपराधियों की तरह हथकड़ी-बेडी में जकड़ कर लाए जा रहे हैं। सिखों के पाग और उतरवा दिए। और फिर गुरु दक्षिणा में वह वीडियो बनाकर पूरी दुनिया में और प्रसारित कर दिए कि देखो भारतीयों को कैसे जन्जीरों से जकड़ा जा रहा है।

अमेरिका केवल हथकड़ी-बेड़ी डालकर ही भारतीयों को वापस नहीं भेज रहा है बल्कि किस तरह उन्हें बांधा जा रहा है इसके वीडियो भी प्रसारित कर रहा है। और वह भी प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका जाने के बाद। और राष्ट्रपति ट्रंप से मिलकर उनके गदगद होने के बाद!

क्या फर्क पड़ता है? आज कुछ भी हो जाए न मोदी सरकार को फर्क पड़ता है और न शायद जनता को। एक से एक बड़ी घटनाएं हो गईं। मगर जनता उनसे विरक्त है। नफरत के नशे के बारे में बहुत सुना था मगर वह इतना जहरीला है कि पूरे देश की सोच समझ की ताकत को खत्म कर सकता है, देश को पूरा डुबोने की तैयारी कर सकता है, यह कभी नहीं सोचा था।

हिटलर के फैलाए यहूदियों के खिलाफ नफरत के बारे में यह लगता है कि उसे 75 ख्र 80 साल हो गए। उसके दुष्परिणाम भी दुनिया ने देख लिए। जर्मनी के दो टुकड़े हो गए। हिटलर खुद सबसे बड़ा घृणा का पात्र हो गया। खुद को गोली मारना पड़ी इन सब के बाद लगता था कि इस नफरत की विचारधारा को कोई नहीं अपनाएगा। खुद अपने और अपने देश के विनाश के रास्ते पर कोई नहीं चलेगा मगर आप सोच सकते हैं, जो हो रहा है लिख सकते हैं लेकिन किसी को रोक नहीं सकते!

एक राहुल गांधी यह कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सही तरीके से समय रहते इस नफरत को पहचाना। यह भी समझा कि यह कोई एक छोटा मोटा अलग थलग को मामला नहीं है। पूरा बाजार बना डाला है। इसीलिए उन्होंने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान की बात कही। वे अकेले इस नफरत से लड़ रहे हैं। पढ़े लिखे हैं। दुनिया देखते हैं उन्हें मालूम है कि भारत इस नफरत से विश्व गुरु बनना तो दूर अपना सामान्य विकास भी नहीं कर पाएगा।

विश्व गुरु किसे चाहिए? क्या अन्तरराष्ट्रीय जगत में यह मांग कभी सुनी कि हम बिना गुरु के हैं। अन्धकार में है। कोई आकर ज्ञान दे। निकाले हमें अज्ञान से। सारा साइंस टेक्नोलाजी उनके पास। नेहरू के समय भारत में इस क्षेत्र में जो शुरूआत हुई थी वह अंधविश्वासों को बढ़ावा देकर खत्म कर दी। पैसा, उद्योग धंधे उनके पास। हमारे यहां यह सब भी खत्म कर दिया। निर्माण के बदले असेम्बलिंग (जैसे अखबार के लिफाफे बनाने का काम होता था) का काम होने लगा। बेरोजगार ही बेरोजगार पैदा कर दिए। वही रोजगार की तलाश में अमेरिका गए थे। और अमेरिका क्या? रूस, युक्रेन, इजराइल में भाड़े के सैनिक तक बनकर गए।

तो अमेरिका कोई चोरी डकैती करने नहीं गए। रोजगार की तलाश में गए थे। और वहां से वापसी? तीन जहाज आ गए। जब पहला आया तो संसद चल रही थी। विदेश मंत्री ने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि हथकड़ी बेड़ी डालकर नहीं भेजा जाए। मिलिट्री जहाज से नहीं। उसके बाद प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा भी हो गई। गोदी मीडिया बड़ा उत्साहित हो गया। ट्रंप ने यह कहा उनकी शान में वह किया। बन गए विश्व गुरु। जल गया विपक्ष। छा गए मोदी। पता नहीं क्या क्या टीवी में बोला और अखबारों में लिखा।

मगर हुआ क्या उसके बाद दो जहाज और आ गए। हथकड़ी बेड़ीं तो थी हीं। सिखों के पाग और उतरवा दिए। और फिर गुरु दक्षिणा में वह वीडियो बनाकर पूरी दुनिया में और प्रसारित कर दिए कि देखो भारतीयों को कैसे जन्जीरों से जकड़ा जा रहा है।

सत्तर साल में क्या हुआ? यह राग है जो प्रधानमंत्री मोदी से लेकर मीडिया तक हर वक्त बजता रहता है। सत्तर साल में कुछ नहीं हुआ! कांग्रेसी जवाब देने में कमजोर। केवल अपने निजी फायदे की बात में ही उनका दिमाग और जबान चलती है। अभी दस साल यूपीए की सरकार में मंत्री रहे। उससे पहले रहे।

संगठन में सभी उच्च पदों पर कब्जा जमा कर बैठे रहे। मगर कभी सामने नहीं आते। नहीं बताते कि सत्तर साल में भारत ने कितनी तरक्की की। उनके इस चुप रहने से ही प्रधानमंत्री मोदी की यह हिम्मत हुई कि उन्होंने कह दिया कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। दुनिया में जो सम्मान मिला है वह 2014 के बाद ही मिला है।

देख लीजिए कि कितना सम्मान मिला है। रोजगार की तलाश में गए युवा जघन्य अपराधियों की तरह हथकड़ी बेडी में जकडकर लाए जा रहे हैं। कोई यह कहने को तैयार नहीं है कि सत्तर साल में कम से कम यह तो नहीं हुआ। भारत की विदेश सेवा के कुछ रिटायर अधिकारियों ने यह हिम्मत की। उन्होंने कहा कि न अपनी विदेश सेवा का नौकरी में देखा, न उससे पहले के बारे में कभी पढ़ा सुना और ने रिटायर होने के बाद देखा। यह पहला मौका है जब भारतियों को इस तरह बांध कर लाया गया हो।

सत्तर साल में पहली बार! मगर इससे क्या? सत्तर साल में पहली बार ऐसे ही कई कारनामे हो चुके हैं। चीन आकर हमारी धरती पर 20 सैनिकों को शहीद करके वहीं बैठ जाता है। और प्रधानमंत्री कहते हैं न कोई घुसा है न कोई है। हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लेता है। सेना कहती है। मगर सरकार कहती है नहीं। कितनी ही घटनाएं हैं। नोटबंदी मारे गए परेशान लोगों की। कोई जवाब है? क्यों बंद किया था हजार का नोट और दो हजार का चलाया। और फिर उसे क्यों बंद किया?

क्यों लाए गए काले किसान कानून? कितने किसान मरे। फिर वापस लिया। किसानों को खालिस्तानी, आतंकवादी, मवाली तक कहा। सत्तर साल में पहली बार। अचानक लाक डाउन करके हजारों किलोमीटर मजदूरों को पैदल दौड़ाया गया। सत्तर साल में पहली बार। पुलवामा में 50 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी मरे। कैसे? आज तक किसी को नहीं पता। यह सब सत्तर साल में पहली बार हुआ है।

मगर कोई कहने वाला नहीं। और ज्यादा सही यह है कि कोई कहे तो भी सुनने वाला कोई नहीं। गोदी मीडिया हर चीज का बचाव करती है। जनता को ही दोषी करार देती है। अभी दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर हुई भगदड़ के बाद आरपीएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अचानक प्लेटफार्म बदलने के कारण भगदड़ मची। और ये मौतें हुईं। मगर रेल मंत्रालय ने तत्काल इस रिपोर्ट का खारिज कर दिया।

अपनी कोई गलती मानने का सवाल ही नहीं। जनता की गलती थी। ऐसे ही प्रयागराज कुंभ में हुई भगदड़ के लिए अभी तक कोई जिम्मेदारी तय नहीं हुई। उस पर भी विपक्ष पर निशाना साधा जा रहा है। जनता तो दोषी है ही। आज तक मरने वालों के सही आंकड़े नहीं बताए गए। बल्कि विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी उर्दू और मौलवी का विषय ले आए। कठमुल्ला कह रहे हैं।

यही वह राजनीति है जिस पर भाजपा को पूरा विश्वास है। कोई मामला हो मुसलमान को बीच में ले आओ। कुंभ में भगदड़ के बाद मुसलमानों ने मदद की। श्रद्धालुओं के रुकने के लिए मस्जिदें खोल दीं। खाने पीने का इतंजाम किया। लेकिन फिर भी इल्जाम तो उनके सिर पर रखना था। उसी नफरत को फैलाने से ही तो भगदड़, मौतें, अव्यवस्था सब भूलकर लोग उर्दू और मुसलमान पर बात करने लगते हैं। भारतीयों का अपमान हथकड़ी बेड़ी सब भूल जाते हैं।

यही नफरत का नशा भाजपा की ताकत है। मगर यह नफरत किसी भी देश और समाज को बर्बाद भी कर सकती है। दुनिया में बहुत सारे उदाहरण हैं। ऊपर हिटलर का बताया। मुसोलोनी का इससे भी बुरा हाल हुआ था। यह दोनों उदाहरण हैं जनता को नफरत का नशा कराकर उसका ध्यान उसकी जिन्दगी के जरूरी मुद्दों से हटाने का। जनता नशे में जयजयकार करती है। मीडिया, देश की दूसरी संस्थाएं साथ देती हैं। मगर कब तक?

अमेरिकी आर्थिक मदद : भारत से निष्पक्ष जांच की दरकार...?

ओमप्रकाश मेहता

> अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प इसे जहां एक रिश्वत की योजना बता रहे है, वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बता रहे है, वहीं कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सवाल खड़ा किया है कि ''एक सप्ताह से यह कहानी चलाई जा रही है कि यूएसएड ने मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए, उन्होंने पूछा कि इतनी सुरक्षा एर्जेसियों के होते हुए भी भारत सरकार ने यह विदेशी धन भारत आने कैसे दिया? जबकि भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप ध नखड़ ने इस मसले को लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठारघात निरूपित किया।

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने देश की राजनीति में अब भारत को मोहरा बनाया है, उनका सीधा आरोप है कि उनके 'पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन और वित्तीय सहायता देने वाली सरकारी एजेंसी यूएसएड ने भारतीय चुनावों को प्रभावित करने के लिए एजेंसी फन्ड का दुरूपयोग किया, इस प्रकार ट्रम्प ने बाइडन व यूएसएड के साथ भारत को ही विवादित कटघरें में खड़ा कर दिया है, ट्रम्प के इस गंभीर आरोप पर भारत ने जांच के नाम पर चुप्पी साध रखी है।

ट्रम्प का यह रहस्योद्घाटन भारत सरकार के लिए काफी परेशानी पैदा करने वाला है, मुख्य आरोप यह है कि पिछले चौबीस सालों में यूएसएड ने भारत में चुनावों के वक्त पच्चीस हजार एक सौ बारह करोड़ रूपए बांटकर भारतीय चुनावों को प्रभावित करने की कौशिश की, भारत सरकार इस गंभीर आरोप की जांच में जुट गई है। इस मामले को लेकर भारत में राजनीतिक, प्रशासनिक बवाल मचा हुआ है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प इसे जहां एक रिश्वत की योजना बता रहे है, वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बता रहे है, वहीं कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सवाल खड़ा किया है कि ''एक सप्ताह से यह कहानी चलाई जा रही है कि यूएसएड ने मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए, उन्होंने पूछा कि इतनी सुरक्षा एजेंसियों के होते हुए भी भारत सरकार ने यह विदेशी धन भारत आने कैसे दिया? जबकि भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस मसले को लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठारघात निरूपित किया।

इस संदर्भ में यदि प्राप्त धनराशि के आंकड़ों को विश्लेषण किया जाए तो यह स्पष्ट होता है कि 2022 में सबसे अधिक अनुदान राशि 22.8 करोड डॉलर प्राप्त हुई और इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ही थे। वर्ष 2021 और 24 के बीच 65 करोड़ डॉलर राशि वितरित की गई जिसमें सबसे अधिक अनुदान 228 करोड डॉलर अकेले 2022 में वितरित किए गए, उल्लेखनीय है कि यूएसएड को 2013 में भारत को चुनावी उद्धेश्य के लिए सीईपीपीएस के माध्यम से पांच सौ हजार डॉलर का वित्त पोषण करने के लिए बाध्य किया गया था, इसमें से उसने अंतत: 2013 और 2018 के बीच 484.185 डॉलर का भुगतान किया इसके बाद कोई राशि वितरित नही की गई।

भारत ने अपनी राजनीति के तहत भारत को अन्तर्राष्ट्रीय कटघरे में खड़े करने की कौशिश की है, इसकी जांच आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है, यह पता करना जरूरी है कि भारत में मतदान बढ़ाने के नाम पर अमेरिकी सहायता किसे मिली और उसका उपयोग कहां व कैसे हुआ? इसकी आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि पहले एलन मस्क ने इस पर आपत्ती जताते हुए उसे रोकने की घोषणा की, फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उसे भारत में सत्ता परिवर्तन का माध्यम बताया और इसे 'दलाली' करार दिया। अब चूंकि अमेरिकी राजनीति में भारत को मोहरा बनाए जाने का प्रयास हुआ है तो भारत का यह पहला दायित्व है कि वह इस मामले की अपने स्तर पर निष्पक्ष जांच करवाए और जांच के परिणामों से पूरे विश्व को अवगत कराए, जिससे कि इस मामले में भारत की स्थिति स्पष्ट हो सके, क्योंकि यह भारत के सिर पर कलंक लगाने जैसा प्रयास है। अब ऐसी स्थिति में भारतीय विदेश मंत्रालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस मसले की जांच इस तरह हो कि सब कुछ स्पष्ट रूप से सामने आ जाए इस संदर्भ में यह भी कहा जा रहा है कि उक्त वित्तीय सहायता भारत नही बांग्लादेश को दी गई। इस प्रकार कुल मिलाकर यह मामला काफी विवादास्पद और संदेहजनक हो गया है। इसलिए इस पूरे मसले की निष्पक्ष जांच की सख्त आवश्यकता है, क्योंकि इससे भारत की प्रतिष्ठा जुड़ गई है।

महाशिवरात्रि : इसी दिन हुई थी सृष्टि की शुरूआत

मुस्ताअली बोहरा

महाशिवरात्रि.......इसी दिन सृष्टि की शुरूआत हुई, इसी दिन शिव और पार्वती का विवाह हुआ, इसी दिन समुद्र से निकले विष को शिव ने पीकर दुनिया को अंधेरे से बचाया। महाशिवरात्रि भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माघ फागुन फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है शिव की महान रात। पुरातन कथाओं के अनुसार इस दिन शिव नृत्य या तांडव करते हैं। महाशिवरात्रि मनाने के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। ऐसा माना जाता है कि समुद्र मन्थन के दौरान अमृत के साथ हलाहल नामक विष भी पैदा हुआ था। हलाहल विष में ब्रह्माण्ड को नष्ट करने की क्षमता थी और केवल भगवान शिव इसे नष्ट कर सकते थे। भगवान शिव ने हलाहल नामक विष को अपने कण्ठ में रख लिया था। जहर इतना शक्तिशाली था कि भगवान शिव अत्यधिक दर्द से पीड़ित हो उठे थे और उनका गला नीला हो गया था। इस कारण से भगवान शिव नीलकण्ठ के नाम से प्रसिद्ध हैं। उपचार के लिए चिकित्सकों ने देवताओं को भगवान शिव को रात भर जगाये रहने की सलाह दी। शिव को आनंदित करने और जगाये रखने के लिए देवताओं ने नृत्य किए और संगीत बजाए। जैसे सुबह हुई उनकी भक्ति से प्रसन्न भगवान शिव ने उन सभी को आशीर्वाद दिया। शिवरात्रि इस घटना का उत्सव है जिससे शिव ने दुनिया को बचाया। विष पीकर शिव ने दुनिया को अंधेरे और निराशा से बचाया था। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ महाशिवरात्रि से ही हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (महादेव का ही स्वरूप) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव व पत्नी पार्वती की पूजा होती हैं यह पूजा व्रत रखने के दौरान की जाती है। यूं तो हर महीने यानि साल में 12 शिवरात्रि आती हैं लेकिन महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के अलावा, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, वेस्ट इंडीज सहित अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाई जाती है। कश्मीर शैव मत में इस त्यौहार को हर-रात्रि भी कहा जाता हैं। शिव जिनसे योग परंपरा की शुरुआत मानी जाती है को आदि (प्रथम) गुरु माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस रात को ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है जिससे मनुष्य में ऊर्जा का संचार होता है। इसे भौतिक और आध्यात्मिक रूप से लाभकारी माना जाता है इसलिए इस रात जागरण की भी परंपरा है। कई स्थानों पर महाशिवरात्रि की रात भजन-कीर्तन, जाप और अन्य धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। महाशिवरात्रि को महिलाओं के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। विवाहित महिलाएँ अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत करती हैं ये भी मान्यता है कि महाशिवरात्रि का व्रत रखने से अच्छा जीवनसाथी मिलता है, शीघ्र शादी के योग बनते हैं इसलिए कुंवारी कन्याएं भी व्रत रखती हैं। अविवाहित महिलाएं भगवान शिव, जिन्हें आदर्श पति के रूप में माना जाता है जैसे पति के लिए प्रार्थना करती हैं। ये व्रत स्त्री-पुरुष कोई भी कर सकता है। महाशिवरात्रि का व्रत अमोघ फल देने वाला माना गया है।

महाशिवरात्रि का पर्व पूरे देश में भक्ति भाव और आस्था के साथ मनाया जाता है। भारत के अलावा नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान में भी इस दिन पूजा होती है। बांग्लादेश में सनातन धर्मावलम्बी भगवान शिव के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने की मंशा से व्रत रखते हैं। कई बांग्लादेशी हिंदू इस खास दिन चंद्रनाथ धाम (चिटगांव) जाते हैं बांग्लादेशी हिंदुओं की मान्यता है कि इस दिन व्रत व पूजा करने वाले स्त्री-पुरुष को अच्छा पति या पत्नी मिलती है। नेपाल में पशुपति नाथ में महाशिवरात्रि पर भव्य कार्यक्रम होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर काठमांडू के पशुपतिनाथ मन्दिर पर भक्तजनों की भीड़ लगती है। चूंकि, नेपाल की सीमा भारत से लगती है और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, व्यापारिक और आर्थिक संबंध हैं इसलिए भारत से भी कई हिन्दु धर्मावलम्बी महाशिवरात्रि पर काठमांडू पहुंचते हैं।

मध्यपदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर शिव भक्तों का हुजूम उमड़ता है, यहां दिन भर पूजा-अर्चना होती है। जेओनरा, सिवनी के मठ मंदिर में व जबलपुर के तिलवाड़ा घाट नामक दो अन्य स्थानों पर यह त्योहार बहुत धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। दमोह जिले के बांदकपुर धाम में भी इस दिन लाखों लोगों का जमावड़ा रहता है। कश्मीर में कश्मीरी ब्राह्मणों के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। यह शिव और पार्वती के विवाह के रूप में हर घर में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का उत्सव तीन दिन पहले से शुरू हो जाता है और महाशिवरात्रि के दो दिन बाद तक चलता रहता है। आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के सभी मंदिरों में महाशिवरात्रि उत्साहपूर्वक मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि साल में एक बार आती है जबकि शिवरात्रि हर महीने या साल में 12 बार। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन करोड़ो सूर्यों के समान प्रभा वाले लिंगरूप में प्रकट हुए थे। ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव होने से यह पर्व महाशिवरात्रि के रुप में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि पर्व भगवान् शिव के दिव्य अवतरण का मंगलसूचक है, भोलेनाथ के निराकार से साकार रूप में अवतरण की रात्रि ही महाशिवरात्रि कहलाती है। इस दिन व्रत करने मात्र से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इस दिन शिव पूजा करने वालों को महादेव काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों से मुक्त करके परम सुख, शांति प्रदान करते हैं। महादेव और माता पार्वती की शादी हुई थी इसलिए महाशिवरात्रि को रात्रि काल में भोलेनाथ की बारात निकाली जाती है। हिन्दु विद्वानों की मानें तो शिव पुराण के अनुसार चतुर्दशी तिथि शिवलिंग का प्राक्ट्य और विवाहोत्सव के रूप में जानी जाती है, इसलिए ये तिथि शिव की प्रिय है। यही कारण है कि हर महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। इस दिन शिव पूजा करने वालों को वैवाहिक जीवन में सुख शांति और विवाह के लिए सुयोग्य जीवनसाथी पाने का वरदान मिलता है।

यूं तो देश के किसी राज्य में ज्योतिर्लिंग हैं या फिर शक्तिपीठ। इसके अलावा तीर्थ और धाम भी हैं। लेकिन देश में दो शहर ऐसे हैं जहां ज्योतिर्लिंग हैं और साथ ही शक्तिपीठ भी। मान्यता है कि जिन 51 स्थानों पर सती के अंग गिरे थे, वो स्थान शक्तिपीठ के रूप में पूजे गए। इन शक्तिपीठों में से दो ऐसे शक्तिपीठ हैं, जहां शिव के साथ ही शक्ति या शक्ति के साथ शिव के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त होता है। ये दोनों ही भारत की प्राचीन नगरी यानि काशी और उज्जैन में स्थित है।

वाराणसी को बाबा विश्वनाथ की नगरी के नाम से जाना जाता है लेकिन इस पावन नगरी में शक्ति के पावन पीठ हैं। इनमें सबसे प्रमुख है मां विशालाक्षी का मंदिर, जो कि 51 शक्तिपीठों में से एक है। वाराणसी में स्थित इस मंदिर को दक्षिण वाली माता के नाम से जाना जाता है। मंदिर की बनावट से दक्षिण भारतीय कलाकृति देखने को मिलती है इसलिए इसे दक्षिण वाली माता का मंदिर भी कहा जाता है। मान्यता है कि वाराणसी में जहां पर माता का मंदिर है, वहां पर कभी भगवती सती का कर्णकुंडल गिरा था। काशी स्थित इस शक्तिपीठ में माता विशालाक्षी की दो प्रतिमाओं के दर्शन करने को मिलते हैं, जिनमें से एक चल और दूसरी अचल मानी जाती है। यहां पर दोनों ही प्रतिमाओं का समान रूप से पूजा अभिषेक आदि होता है। माता का यह मंदिर काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग के पास ही मीरघाट मोहल्ले में स्थित है।

मध्यप्रदेश की उज्जैयनी को लोग महाकाल की नगरी के नाम से जानते हैं, वहां पर द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक महाकालेश्वर भगवान के साथ हरसिद्धि माता के शक्तिपीठ के दर्शन का सौभाग्य भी प्राप्त होता है। उज्जैन स्थित माता के इस शक्तिपीठ के बारे में मान्यता है कि इसी स्थान पर भगवती सती की दाहिनी कोहनी गिरी थी। माता का यह पावन शक्तिपीठ महाकालेश्वर मंदिर के पास ही रुद्रसागर तालाब के पश्चिमी तट पर स्थित है। हरसिद्धि देवी के मंदिर की विशेषता यह है कि इसमें देवी का कोई विग्रह नहीं है, बल्कि सिर्फ कोहनी ही है, जिसे हरिसिद्धि देवी के रूप में पूजा जाता है। इस धाम में दो बड़े दीप-स्तंभ हैं, जिसे नर-नारी का प्रतीक माना जाता है। इसमें दाहिनी ओर का स्तंभ बड़ा है, जबकि बाई ओर का छोटा है इसे लोग शिव-शक्ति का प्रतीक भी मानते हैं। मान्यता है कि इस दीप स्तंभ पर दीप जलाने से मान्यता पूरी हो जाती है।

बारह ज्योतिर्लिंग (प्रकाश के लिंग) जो भगवान शिव के पवित्र धार्मिक स्थल और केन्द्र हैं। वे स्वयम्भू के रूप में जाने जाते हैं, जिसका अर्थ है स्वयं उत्पन्न। बारह स्ध्थानों पर बारह ज्ध्योर्तिलिंग स्ध्थापित हैं। सोमनाथ- यह शिवलिंग गुजरात के काठियावाड़ में स्थापित है। श्री शैल मल्लिकार्जुन- मद्रास में कृष्णा नदी के किनारे पर्वत पर स्थापित है श्री शैल मल्लिकार्जुन शिवलिंग। महाकाल- उज्जैन में स्थापित महाकालेश्वर शिवलिंग, जहाँ शिवजी ने दैत्यों का नाश किया था। ओमकारेश्वर- मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थल ओंकारेश्वर में नर्मदा तट पर पर्वतराज विंध्य की कठोर तपस्या से खुश होकर वरदान देने हुए यहां प्रकट हुए थे शिवजी। जहां ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थापित हो गया। नागेश्वर- गुजरात के द्वारकाधाम के निकट स्थापित नागेश्वर ज्योतिर्लिंग। बैजनाथ- झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ धाम में स्थापित शिवलिंग। भीमाशंकर- महाराष्ट्र की भीमा नदी के किनारे स्थापित भीमशंकर ज्योतिर्लिंग। त्र्यंम्बकेश्वर- नासिक (महाराष्ट्र) से 25 किलोमीटर दूर त्र्यंम्बकेश्वर में स्थापित ज्योतिर्लिंग। घृष्णेश्वर- महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एलोरा गुफा के समीप वेसल गाँव में स्थापित घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग। केदारनाथ- हिमालय का दुर्गम केदारनाथ ज्योतिर्लिंग। हरिद्वार से 150 पर मिल दूरी पर स्थित है। काशी- विश्वनाथ बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग। रामेश्वरम- त्रिचनापल्ली (मद्रास) समुद्र तट पर भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग।

वजन घटाने को सुपर फूड्स का करें इस्तेमाल

आजकल वजन घटाने सुपर फूड्स को बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस कारण यह पसंद किये जाने लगे हैं।

कई सुपर फूड्स ने धीरेधीरे किचन में जगह बना ली है। जाहिर सी बात है कि किचन के जरिए ये हमारे पेट में भी पहुंच रहे हैं। क्विनोआ के अलावा, चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, वॉटरमेलन सीड्स, चगा मशरूम, नट ऑयल, मका, ल्यूकूमा, हेम्प सीड्स आदि। हममें से कुछ लोग इन सुपर फूड्स से परिचित हैं तो कुछ को इनके बारे में कुछ भी पता नहीं। फ्लैक्स सीड्स दादी-नानी के जमाने के अलसी के बीज हैं, जिन्हें अपने यहां के कुछ राज्यों में तिसी भी कहा जाता है। कुछ आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं तो कुछ विटामिन और प्रोटीन के। इस आधे बीत चुके साल में इंटरनेट फ्रेंडली हो चुकी जनता अपने खानपान की आदतों को लेकर भी एडवेंचरस है।

चिया के बीज भी पॉपुलर सुपर फूड्स की श्रेणी में शामिल हैं। वैसे तो ये स्वाद रहित होते हैं लेकिन जब इन्हें सही ढंग से पकाया जाता है तो ये आसानी से पच जाते हैं। एनर्जी बूस्टिंग पाउडर के तौर पर ये कमाल के हैं। हालिया शोध तो चिया के बीजों को टाइप 2 डायबिटीज खत्म करने के लिए कारगर मानते हैं। चिया मेक्सिको से आते हैं, जिसका अर्थ ताकत से है। चिया को रनर्स फूड भी कहा जाता है क्योंकि लंबी दौड़ में चिया का इस्तेमाल ऊर्जा स्रोत के तौर पर किया जाता है। कहा जाता है कि केवल एक चम्मच चिया उन्हें

24 घंटे तक ऊर्जावान बनाए रखने में कारगर है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी सन्फ्लेमेट्री, एंटी कैंसर गुण होने के कारण चिया के सेवन का प्रचलन अपने देश में भी बढ़ता जा रहा है। यह एक कंम्प्लीट प्रोटीन भी है क्योंकि इसमें नौ जरूरी अमिनो एसिड हैं। स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए आवश्यक 20 फीसद सॉल्युबल फाइबर और 80 फीसद इनसॉल्युबल फाइबर भी इसमें हैं। यह ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखता है, क्रेविंग को कम करता है और लंबे समय तक आपके पेट को भरा महसूस कराता है।

क्विनोआ पोषण का दोगुना पंच देता है क्योंकि इसमें फाइबर और प्रोटीन दोनों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। यह ग्लूटेन मुक्त होने के साथ कंप्लीट प्रोटीन भी है। यह मूलतरू एक बीज है, जिसे अनाज के तौर पर खाया जाता है। क्विनोआ तीन तरह के होते हैं- सफेद, लाल और काला। इसे अमूमन ऑर्गेनिक तौर पर ही उगाया जाता है। इसमें फ्लेवेनॉयड्स होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करता है। अन्य अनाजों की तुलना में क्विनोआ में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। क्विनोआ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स करीब 53 है, जो काफी कम है। शोध यह भी बताते हैं कि क्विनोआ मेटाबोलिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में लाभदायक है। वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए क्विनोआ फायदेमंद है क्योंकि वजन कम करने के लिए हमें कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

अलसी के बीज सालों से हमारे आस-पास ही हैं और एग्जॉटिक नहीं है, इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि यह हमारे संतुलित आहार के लिए पर्याप्त नहीं। सच तो यह है कि अलसी के बीज कमाल के होते हैं! यह न केवल कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करता है बल्कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स का बड़ा भाग होता है। इसे लिग्नैन्स कहा जाता है, जिसमें कैंसर से लडने के गुण मौजूद हैं। साथ ही यह हार्मोन्स को भी संतुलित करने में मददगार हैं। यह सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि यह रोजाना की ऊर्जा और वजन कम करने में लाभदायक हैं। अलसी के बीजों की खासियत यह है कि ये किसी भी डिश में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। चाहें तो इन्हें ओटमील पर छिड़क लीजिए या ग्रैनोला में या दही पर या अपने स्मूदी में मिला लीजिए।

पैरों का भी रखें ख्याल

सर्दियों का मौसम आ गया है। इसमें चेहरे के साथ-साथ पैरों का भी विशेष ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन कुछ महिलाएं अपने पैरों का बिल्कुल ध्यान नहीं देती और उनकी एड़ियां फट जाती हैं। एड़ियों में दरारें आने की वजह कई बार महिलाओं को शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर फटी एड़ियों को फिर से मुलायम बनाया जा सकता है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में

नारियल का तेल

इसके लिए 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल को हल्का गर्म करें और रात को सोने से पहले उससे एड़ियों की मसाज करें। अच्छी तरह एड़ियों की मसाज करने के बाद मोजे पहन लें और सुबह पैर धोएं। कुछ दिनों तक ऐसा करने से पैरों की एड़ियां मुलायम हो जाएंगी।

ग्लिसरीन और गुलाब जल

एड़ियों को मुलायम करने के लिए गुलाब जल और ग्लिसरीन भी काफी फायदेमंद साबित होती है। इसके लिए 3 चौथाई मात्रा में गुलाब जल और 1 चौथाई मात्रा में ग्लिसरीन लेकर मिश्रण तैयार करें। अब इसे एड़ियों पर कुछ देर के लिए लगा कर रखें और फिर गुनगुने पानी से पैरों को साफ करें। रोजाना ऐसा करने से बहुत जल्द फर्क दिखने लगेगा।

ओट्स और जोजोबा ऑयल

इसके लिए ओट्स को पीसकर पाउडर बना लें और इसमें जोजोबा तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को एड़ियों की दरारों में लगाएं और कुछ देर बाद गुनगुने पानी से धो लें।

शहद

पैरों की एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए पानी में आधा कप शहद मिलाएं और इसमें कुछ देर के लिए पैरों को डुबो कर रखें। 20 मिनट के बाद पैरों को बाहर निकालें और तौलिए से अच्छी तरह पौंछ लें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे।

जैतून का तेल

इसके लिए रोजाना रात को सोने से पहले जैतून के तेल से पैरों की मसाज करें और आधे घंटे के बाद पैरों को धो लें। रोजाना ऐसा करने से बहुत जल्द एड़ियां मुलायम हो जाएंगी।

स्तनपान से कम होता है हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा

नवजात शिशुओं को दूध पिलाना जरूरी : विशेषज्ञ

स्तनपान बच्चे के साथ ही मां के लिए भी एक वरदान से कम नहीं होता। स्तनपान से जहां बच्चे बिमारियों और संक्रमण से बचे रहते हैं और उन्हें पर्याप्त आहार भी मिल जाता है। वहीं इससे मां भी कई गंभीर बीमारियों से बची रहती है विशेषज्ञ कहते हैं कि जन्म के 6 माह तक नवजात शिशुओं को दूध पिलाना जरूरी है। बच्चे को इससे ना सिर्फ पोषण मिलता है बल्कि बीमारियों से लड़ने की ताकत भी मिलती है लेकिन क्या आप जानते हैं स्तनपान कराने से सिर्फ बच्चे को ही फायदा नहीं होता बल्कि मां को भी उतना ही फायदा होता है। एक नये अध्ययन के अनुसार जो महिलाएं बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा अन्य महिलाओं से 10 गुना कम रहता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि बच्चे के जन्म के बाद स्तनपान से मां के शरीर में मेटाबॉलिज्म में तेजी आती है तो समझना चाहिए कि मां को स्तनपान का लाभ मिल रहा है। शोधकर्ताओं का ये भी कहना है कि गर्भावस्था के दौरान एक महिला के शरीर के मेटाबॉलिज्म में बहुत बदलाव आता है, क्योंकि शरीर बच्चे के विकास और उसे अतिरिक्त उर्जा प्रदान करने के लिए वसा एकत्र करता है। इसलिए जन्म के बाद ब्रेस्टफीडिंग उस वसा को तेजी से और पूरी तरह से समाप्त करने में सहायता करता है। इससे महिला का शरीर भी पहले की तरह हो जाता है।

ब्यूटी प्रोडक्ट इस प्रकार लंबे समय तक चलेंगे

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें।

स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

> जिसके पास स्वस्थ शरीर होता है वो दूसरों के मुकाबले सबसे ज्यादा अमीर होता है।

तेज भूख में गुस्सा आना समान्य

आम तौर पर पाया जाता है कि तेज भूख लगने पर किसी का भी मूड बदल जाता है और उसे गुस्सा आने लगता है? अगर ऐसा है तो इसमें आपका कोई दोष नहीं है, क्योंकि गुस्सा, व्याकुलता और झुंझलाहट भूख के सबसे आम कारणों में से एक हैं। चेन्नई, कोच्चि और नई दिल्ली में भूख के लक्षणों और उसके प्रति लोगों की धारणाओं का मूल्यांकन करने के लिए सप्ताह भर का सर्वेक्षण किया गया।

एक कन्फेक्शनरी कंपनी द्वारा तीन-तीन लोगों के समूह में गहन साक्षात्कार और चर्चाओं के साथ यह सप्ताह भर तक का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण करने वाली कंपनी ने एक बयान में कहा कि सभी उत्तरदाताओं ने सहमति जताई कि भूख के दौरान उनके व्यवहार में परिवर्तन आता है और वे अजीब व अप्रत्याशित तरीके से व्यवहार करते हैं।

सर्वेक्षण में शामिल उत्तरदाताओं ने कहा कि जब उन्हें भूखी लगती है, तो मस्तिष्क उन्हें एक बार में कई चीजें करने के लिए निर्देशित करता है, जिससे आखिरकार वे भ्रमित और उदासीन हो जाते हैं।

अनुसंधान के निष्कर्षों के आधार पर ब्रांड ने कई हंटर हंगर बार्स (चॉकलेट) बनाए हैं, जिनमें से हर किसी के अलग-अलग भूख के दौरान महसूस होने वाले लक्षणों को भी बताया गया है।

मीनोपोज के बाद फिट रहने खानपान में करें बदलाव

मीनोपोज (माहवारी) बंद होने के बाद बढ़ने वाला बैली फैट कई महिलाओं के लिए एक बड़ी समस्या है। ये कोई साधारण फैट नहीं है, जो डाइटिंग और योगा से कम हो जाए! इसलिए इसे जिद्दी फैट भी कहा जाता है। शोध कर्ताओं ने इस वजह को ढूंढ निकाला है कि आखिर मीनोपोज के बाद मोटापा क्यों बढ़ता है? शोधकर्ताओं के मुताबिक, मीनोपोज के बाद एस्ट्रोजन लेवल कम होने से हिप्स और थाईज का फैट लोअर-एब्डॉमन में चला जाता है लेकिन डाइट में बदलाव करके आप शरीर का एक्स्ट्रा फैट घटा सकते हैं।

मीनोपोज के बाद के मोटापे को यूं घटाएं

आमतौर पर महिलाएं बेली फैट कम करने के चक्कर में हेल्दी फैट का सेवन करना भी छोड़ देती हैं जो कि गलत है। क्या आप जानते हैं कुछ फैट ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन बैली फैट घटाने में मदद कर सकता है। जैसे एवोकैडो, ऑलिव्स, सैल्मन मछली और कोकोनट ऑयल। अध्ययन से पता चला है कि एक महीने के लिए हर सप्ताह तीन बार 28 ग्राम साल्मन मछली खाने से लगभग एक किलो से अधिक वजन घटाया जा सकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर (सिरका) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। सिरका में शामिल एसिडिक एसिड प्रोटीन वजन कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ग्रीन स्मूदी भी आपका बैली फैट घटाने में मददगार हो सकती है।

नींद नहीं आती तो डिमेंशिया का खतरा

अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं. क्योंकि एक स्टडी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

ना केवल मानसिक, बल्किस यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है.

द अल्जाइमर सॉल्यूशंस नाम की किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है।

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्बिनष्क बहुत से काम करता है. जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम।

बता दें कि डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड स्वींग होने लगता है।

काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है.

एक स्टडी में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने के चांस काफी बढ़ जाते हैं।

नींद अच्छी करने के लिए अपनाएं ये तरीके

1. सोने का एक समय बनाएं

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें. इस तरह से आपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी.

2. देर रात खाने से बचें

रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं. क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकून की नींद नहीं ले पाते।

3. सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का नींद पर बहुत असर पड़ता है. इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरूर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

4. दोपहर में ना सोएं

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नहीं आती वो लोग दोपहर में सोने से बचें।

डीएम बंसल ने की व्यासी-लखवाड परियोजना की समीक्षा

संवाद सहयोगी

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज ऋषिपर्णा सभागार में कलेक्ट्रेट में व्यासी-लखवाड परियोजना की समीक्षा तथा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों एवं यूजेवीएन तथा राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि व्यासी लखवाड़ प्राजेक्ट राज्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना है। प्रथमबार किसी डीएम से संवाद समीक्षा का विधिवत् हिस्सा बन प्रभावित परिवारों ने आभार जताया, वहीं डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवार संघ मीटिंग कार्यवाही में शामिल किया जाए ताकि उनका पक्ष सुनते हुए योजना को समयबद्ध पूर्ण करने हेतु प्रभावी समाधान समाधान किया। 1980 एवं 2020 में यदि एक परिवार प्रभावित हुआ है प्रभावितों को मुआवजे का दोहरा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश है कि इस परियोजना आ रहे व्यवधानों का निपटाते हुए योजना को धरातल पर लाएं। इस प्रोजेक्ट की स्वयं मा० प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी मॉनिटिरिंग कर रहे हैं। डीएम ने यूजेवीएन के आधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्यशैली में सुधार लाने तथा प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने में आ रही अड़चनों को समयबद्ध निस्तारित कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कड़े शब्दों में कहा कि यदि यूजेवीएन के अधिकारी कार्य नहीं हो पा रहा है तो अन्य अधिकारी तैयार हैं किन्तु हीलाहवाली करने वाले बक्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने यूजेवीएन के अधिकारियों से प्रभावितों तथा मुआवजा वितरण की संख्या पूछे जाने पर अधिकारी बगले झांकते नजर आए जिस पर डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि संख्या नही बता पा रहे हो तो जनमानस से क्या बात करते होंगे। वहीं उपस्थित प्रभावितों के प्रतिनिधियों से लोगों ने उनकी यूजेवीएन के अधिकारियों के व्यवहार की भी शिकायत की।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन, एसएलएओ एवं यूजेवीएन सहित राजस्व के अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर प्रभावितों का पक्ष सुनते हुए आख्या प्रस्तुत करंगे तथा जो अड़चने आ रही हैं उनका निदान करेगे। साथ इस दौरान योजना के प्रभावितों के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद लोगों ने अपनी बात डीएम के सामने रखी, जिस पर डीएम ने अधिकारियों को समयबद्ध उचित निस्तारण के निर्देश यूजेवीएन के अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन को निर्देशित किया कि अधिकारियों को प्रभावितों का पक्ष सुनते हुए आख्या प्रस्तुत करेंगे तथा अगली बैठक में यूजेवीएन के एमडी को भी बुलाएं। उन्होंने कहा कि योजना में लापरवाही करने वाले पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह, विशेष भू अध्याप्ति अधिकारी स्मृता रमार, यूजेवीएन के अधिकारी, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार सहित सम्बन्धित धिकारी उपस्थित रहे।

रोडवेज में अवनीत अध्यक्ष और अमर मंत्री बने

देहरादून। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के मंडलीय अध्यक्ष अवनीत कुमार और मंत्री अमर सिंह चुने गए। चुनाव मंगलवार को आईएसबीटी स्थित प्रांतीय कार्यालय में हुए।

यूनियन के प्रदेश महामंत्री अशोक चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष पद से विपिन कुमार और मंत्री पद से केपी सिंह की ओर से त्यागपत्र देने पर चुनाव करवाए गए। बताया कि चुनाव में रुड़की, कोटद्वार, ऋषिकेश, हरिद्वार, देहरादून डिपो, ग्रामीण डिपो, पर्वतीय डिपो और प्रशासनिक शाख के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया है। उन्होंने नए अध्यक्ष और मंत्री को बधाई दी, साथ ही अपनी कर्तव्यों का बखूबी निवर्हन करने की अपील की है।

मुख्य सचिव ने दिए सभी भवन निर्माण कार्यों में ग्रीन बिल्डिंग, सोलर पावर तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नियमों के सख्ती से पालन के निर्देश

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में आयोजित ईएफसी (व्यय वित्त समिति) में पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर में 1044.94 लाख रूपये लागत के कौड़िया किमसार वन मोटर मार्ग के सुदृढ़ीकरण कार्यों, जी बी पंत इंस्टिट्यूट आफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी, घुड़दौड़ी, पौड़ी के निकट 1516.13 लाख रूपये की बिल्केदार पम्पिंग पेयजल योजना के पुनर्गठन, 1617.03 लाख रू0 के लागत वाले राजकीय पालीटेक्निक, सल्ट के भवन निर्माण कार्य, नाबार्ड की आरआईडीएफ योजना के तहत 1061.17 लाख रू0 के राजकीय पॉलिटैक्निक, लोहाघाट तथा 1234.59 लाख रू0 की लागत के राजकीय पॉलिटैक्निक, दन्या के निर्माण, देहरादून में 1171.56 लाख रू0 की लागत के न्यू कैंट मोटर मार्ग के 1 किमी0 0.375 चौनेज से 1.625 चौनेज (सालावाला पुल से विजय कॉलोनी पुल) तक मार्ग को दो लेन से 10.50 मी0 चौड़ाई में अपग्रेड करने की योजनाओं को अनुमोदन दिया। इसके साथ ही आज की ईएफसी में भराड़ीसैंण में पशुपालन विभाग के तहत भराणीसैंण फार्म विकसित करने तथा निकटस्थ गांवों में डेयरी आधारित अर्थव्यवस्था तथा गाय आधारित पर्यटन विकास की 3003.05 लाख रू0 की महत्वपूर्ण योजना पर भी चर्चा की गई। योजना पर विस्तृत चर्चा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने निर्देश दिए कि सभी भवन निर्माण कार्यों में ग्रीन बिल्डिंग, सोलर पावर तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने स्कूल, कालेज एवं अन्य भवनों के निर्माण में उत्तराखण्ड की स्थानीय वास्तु शैली के उपयोग के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि पौड़ी गढ़वाल में यमकेश्वर में कौड़िया-किमसार मोटर मार्ग के सुदृढ़ीकरण के निर्माण कार्य से स्थानीय जनता एवं वन विभाग को आवागमन में सुविधा मिलेगी। राजकीय पालीटेक्निक, सल्ट एवं राजकीय पॉलीटैक्निक, दन्या में भवन निर्माण कार्य से प्रदेश के क्षेत्रीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों का प्रवेश एवं अध्ययन किया जाना संभव होगा।

गोवर्धन मंदिर कमेटी ने निकाली शिव बारात

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। डोईवाला और आसपास के क्षेत्रों में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंगलवार को गोवर्धन मंदिर कमेटी ने क्षेत्र में शिव बारात निकाली, जिसमें शिव परिवार सहित अन्य भगवानों की झांकिया भी निकली गईं। मंगलवार को ऋषिकेश रोड गोवर्धन मंदिर कमेटी ने शिवरात्रि महोत्सव के तहत शिव बारात का आयोजन किया। शिव बारात का प्रारंभ गोवर्धन मंदिर ऋषिकेश रोड से राजीव नगर, केशवपुरी, मिल बाजार, नगर चौक होते हुए गोवर्धन मंदिर में पहुंचकर संपन्न हुई। कलाकारों द्वारा शिव तांडव, माता चंडी और राधा कृष्ण के नृत्य ने श्रद्धालुओं को भक्ति में लीन कर दिया। इसके साथ ही शिव परिवार, भगवान हनुमान, विष्णु और गणेश सहित अन्य भगवानों की झांकिया भी निकलीं। गोवर्धन मंदिर के निजयानंद ने बताया कि मंदिर समिति द्वारा महाशिवरात्रि के पर्व पर कई वर्षों से शिव बारात का आयोजन किया जा रहा है। शिव बारात में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को पुण्य का लाभ मिलता है। शिव बारात मे पर्वतानंद महाराज, शिवानंद महाराज, दीपक तिवारी, शिवा उनियाल, यसराज सोनकर, सुभाष, अजय कोमल, आरती आदि शामिल रहे।

वहीं शिवरात्रि महोत्सव के तहत लच्छेश्वर महादेव मंदिर लच्छीवाला में लगने वाले मेले झूले को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मेले में लगने वाले झूलों आदि को ठीक प्रकार से व्यवस्थित कर लें, जिससे श्रद्धालुओं और मेले में आने वालों को किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो। मेला समिति अध्यक्ष देवराज सावन ने कहा कि मंदिर से लेकर मेल तक की सभी व्यवस्थाओं को पुख्ता कर समिति के पदाधिकारी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंप दी गई है। मौके पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रेम सिंह पम्मी राज, अवतार सिंह सभासद विनीत राजपूत, प्रकाश कोठारी आदि मौजूद रहे।

सीएम ने किया दुगड्डा पार्क में शहीद मेले का शुभारंभ

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को पौड़ी के दुगड्डा पार्क में तीन दिवसीय शहीद मेले का शुभारंभ किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने दुगड्डा में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, स्व. बलदेव सिंह आर्य और स्व. भवानी सिंह रावत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं की गई। जिसमें नगर पालिका दुगड्डा के क्षेत्रान्तर्गत एक आधुनिक बहुउद्देशीय भवन का निर्माण। नगर पालिका के लिए एक आधिकारिक वाहन की व्यवस्था। भवानी सिंह रावत शहीद स्मृति स्थल का संरक्षण, सौंदर्यीकरण एवं पुनर्निर्माण नगर पालिका द्वारा किया जाएगा। नगर पालिका परिषद दुगड्डा क्षेत्रान्तर्गत निराश्रितों के लिए एक स्थायी रैन बसेरा का निर्माण किए जाएगा। दुगड्डा नगर में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का विकास एवं इसका नाम स्व. मोहनलाल बौंठियाल के नाम पर रखा जाएगा। दुगड्डा ब्लॉक में एक मिनी स्टेडियम की स्थापना की जाएगी। फतेहपुर में सिलगाड नदी पर पुल का निर्माण कराया जाएगा। मटियाली में सिद्धबाबा मंदिर का सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य कराए जाने की घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने अमर शहीदों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और बलिदान हमें देश की सेवा में समर्पण और कर्तव्य का मार्गदर्शन देता है। इस प्रकार के आयोजन हमारे इतिहास और संस्कृति के प्रति युवाओं को जागरूक करते हैं, जिनसे हमें शहीदों के आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधाममंत्री के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली गाथाओं का नई पीढ़ी को पुन: स्मरण कराने के लिए पूरे देश में स्मारकों और संग्रहालय का निर्माण कराया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा ऐसे वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सैनिकों व उनके परिवारों के कल्याण के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की गयी है। इस कड़ी में उत्तराखंड का पांचवा धाम सैनिक धाम देहरादून के गुनियाल गांव में बनाया जा रहा है। सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को स्वास्थ्य सेवाओं और आवासीय योजना में भी प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूरे राज्य में 5 हजार हेक्टेयर से भी अधिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। सरकार ने चार दिन पहले विधानसभा सत्र में सशक्त भू कानून को पूर्ण बहुमत से पारित कर दिया है। वनाग्नि की समस्या के समाधान के लिए भी प्रशासन द्वारा पूरी तैयारी की जा रही है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा जिस भी वन क्षेत्र में आग लगेगी संबंधित वन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही आग लगाने वालों के खिलाफ कार्यवाही और नुकसान की भरपाई भी उन्हीं लोगों से की जाएगी। इसके लिए जल्द कानून भी बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव वन्यजीव संघर्ष और विकास बनाम वन संरक्षण के संबंध में केंद्र सरकार के साथ चर्चा की जाएगी।

नीलकंठ में जलाभिषेक को जुटा शिवभक्तों का हुजूम

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। महाशिवरात्रि पर्व पर नीलकंठ धाम में जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गई है। सुबह से लेकर रात तक महादेव के दर पर जलाभिषेक को श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। प्रशासन का दावा है कि जलाभिषेक के लिए उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों से करीब 52 हजार श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। महाशिवरात्रि पर करीब तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने की उम्मीद है। ऐसे में मंगलवार को नीलकंठ तक मोटर और पैदल मार्ग केसरिया रंग में रंगा दिखा। मंगलवार को ब्रह्म मूहुर्त से नीलकंठ शिव मंदिर में भोलेभक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हुई। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए यूपी और हरियाण समेत अन्य राज्यों से शिवभक्तों का रेला दिनभर नीलकंठ के लिए ऋषिकेश होते हुए कूंज करता दिखा। मुनिकीरेती और स्वर्गाश्रम में मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यातायात भी प्रभावित हुआ। पैदल मार्ग पर सुबह से शाम तक नीलकंठ में जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों के जत्थे आते-जाते रहे। नीलकंठ धाम भी महादेव के जयकारों से गूंजायमान रहा। मेला क्षेत्र में शिवभक्तों की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी और जवान भी अलर्ट दिखे। पुलिस ने ड्रोन से भी नीलकंठ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की निगरानी की। सीओ अनुज कुमार ने बताया कि मंगलवार रात 52 हजार श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व पर तीन लाख श्रद्धालुओं के लिए नीलकंठ पहुंचने की संभावना है, जिसके मद्देनजर पुलिस कर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें तैनाती स्थल पर हरवक्त जमे रहने के साथ ही शिवभक्तों से संयमित व्यवहार करने के लिए भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने महाशिवरात्रि पर्व को लेकर नीलकंठ धाम पहुंच रहे कांवड़ियों के लिए पैदल मार्ग पर मेडिकल कैंप लगाया है। यहां एम्बुलेंस भी तैनात की गई है। रोजाना 100 से ज्यादा श्रद्धालुओं का कैंप में स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। डॉ. सरित अनिरुद्ध ने बताया कि कैंप में श्रद्धालुओं के लिए हर तरह की दवा उपलब्ध है। आपातल स्थिति के लिए यहां एम्बुलेंस भी रखी गई है। टीम में फर्मासिस्ट हरीश सिंह बिष्ट, मनीष डोभाल, संदीप कुमार शामिल हैं। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर वीरभद्र महादेव समेत अन्य प्रसिद्ध शिव मंदिरों के पास मेले भी लगे हैं, जिसमें झूले-चरखी का लुत्फ उठाने के लिए भारी संख्या में स्थानीय लोग पहुंच रहे हैं। खासकर युवा और बच्चों के लिए ऊंचे झूले आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन मेलों में बुधवार को खासी भीड़ जुटने की संभावना है, जिसके मद्देनजर ऋषिकेश में पुलिस ने भी सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। सीओ संदीप सिंह नेगी ने बताया कि कोतवाली पुलिस को शिव मंदिरों के पास पुलिसकर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए हैं। ऋषिकेश-हरिद्वार हाईवे शिवभक्तों से पैक : शारदीय कांवड़ यात्रा के तहत हरिद्वार से भारी संख्या में शिवभक्त ऋषिकेश होते हुए नीलकंठ पहुंच रहे हैं, जिसके चलते मंगलवार को ऋषिकेश-हरिद्वार हाईवे पर शिवभक्तों से पैक रहा।

व्यापारियों का नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। नगर में यूरिनल प्वाइंट की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर पुराना मेन बाजार व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की। मंगलवार को सुभाष चौक के समीप घाट रोड पर पुराना मेन बाजार व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। पुराना मेन बाजार व्यापार मंडल के प्रधान पंडित नरेंद्र शर्मा ने कहा कि बाजार में अधिकांश यूरिनल इंट में सफाई व्यवस्था नहीं है। कई जगहों पर यह सार्वजनिक शौचालय टूटे पड़े हैं। घाट मार्ग समीप इस यूरिनल प्वाइंट को लेकर भी कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया। बावजूद इसके नगर निगम प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द यूरिनल प्वाइंट को दुरुस्त किया जाए। प्रदर्शन करने वाले व्यापारी.. राजेंद्र भोला, घनश्याम सैनी, राजीव गावड़ी, विजय मोहन, दलिच कुमार विशाल अरोड़ा, राजीव अरोड़ा, बंटी सक्सेना, मनीष शर्मा, गोपाल शर्मा, रविंद्र जैन, दीपक पावाहा ,रजत भोला श्याम अरोड़ा, आदि व्यापारी मौजूद रहे।

वहीं ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह करीब 8:40 बजे पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने के दौरान टीटी का पैर फिसल गया, जिससे वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच में फंस गए। जख्मी हालत में उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की कॉफी टेबल बुक व डैशबोर्ड का लोकार्पण

संवाद सहयोगी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राजभवन में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बनाई गई कॉफी टेबल बुक ' केदारनाथ जी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन पर एक और प्रयास' का विमोचन और यूएसडीएमए के डैशबोर्ड का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य प्राकृतिक आपदाओं के दृष्टिगत एक संवेदनशील राज्य है। भौगोलिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण यहां भूस्खलन, बाढ़, बादल फटना, भूकंप जैसी आपदाएं समय-समय पर आती रहती हैं। इन आपदाओं से निपटना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती रहती है। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई 2024 को केदारनाथ क्षेत्र में आई आपदा एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई थी। इस कठिन परिस्थिति में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) ने सभी रेखीय विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किए। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने केंद्र से समन्वय बनाते हुए इस आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए, जो कि सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उक्त घटना का संज्ञान लेते हुए चारधाम यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने एवं यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोकने के निर्देश दिए। उनकी निगरानी में युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किए गए। राज्यपाल ने कहा कि राहत और बचाव कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा भी भरपूर सहयोग प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी इस आपदा के बाद यात्रियों की सुरक्षा को लेकर इतने फिक्रमंद थे कि वे स्वयं इस रेस्क्यू अभियान की अपडेट लेते रहे। राज्यपाल ने कहा कि इन सभी महत्वपूर्ण प्रयासों को एक पुस्तक के रूप में संकलित किया गया है, जो भविष्य के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का कार्य करेगी। '' केदारनाथ जी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन पर एक और प्रयास'' कॉफी टेबल बुक में उन सभी बहादुर व्यक्तियों और संगठनों के योगदान को संजोया गया है, जिन्होंने अपनी निस्वार्थ सेवा से इस आपदा का प्रभाव कम करने में सहायता की। राज्यपाल ने कहा कि आज हम यू.एस.डी.एम.ए. डैशबोर्ड का भी लोकार्पण कर रहे हैं, जो आपदा प्रबंधन प्रणाली को अधिक सटीक, त्वरित और पारदर्शी बनाएगा। यह डिजिटल प्रणाली न केवल आपदाओं से संबंधित आंकड़ों के संग्रहण और विश्लेषण में सहायता करेगी, बल्कि नीति-निर्माण और त्वरित निर्णय लेने में भी सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस डैशबोर्ड से उत्तराखण्ड को आपदा प्रबंधन में एक नई तकनीकी शक्ति मिलेगी, जिससे न केवल त्वरित प्रतिक्रिया संभव होगी, बल्कि भविष्य में बेहतर आपदा पूर्वानुमान और योजनाएं भी बनाई जा सकेंगी। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड एक ऐसा राज्य है, जो न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि अपने नागरिकों की सेवा-भावना और साहस के लिए भी जाना जाता है। राज्यपाल ने उन सभी व्यक्तियों और संगठनों का धन्यवाद किया जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपना कर्तव्य निभाया और लोगों की रक्षा के लिए दिन-रात कार्य किया। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक सशक्त, सतर्क और आपदा-प्रतिरोधी उत्तराखण्ड के निर्माण की दिशा में कार्य करें, ताकि हम अपनी प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा करते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ क्षेत्र में 31 जुलाई 2024 को आई आपदा के दौरान किए गए राहत एवं बचाव कार्यों के प्रयासों को दर्शाने वाली "कॉफी टेबल बुक" का विमोचन और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने वाले यूएसडीएमए के डैशबोर्ड का लोकार्पण किया गया है।